MUMBAI TARANG

# मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-48 ❖ मुंबई ❖ रविवार 21 से 27 नवंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

अगर आप अपने जीवन को बेहतर बनाने चाहते है तो लोगो के मन की नहीं अपने मन की सुनो।

पेज 3
कोरेगांव भीमा जांच आयोग के समक्ष पेश हुईं IPS रश्मि शुक्ला

पेज 5
कोरोना मुआवजे के लिए मशक्कत-9 हजार 371 के परिजनों को अस्पतालों के लगाने होंगे चक्कर, क्योंकि अस्पताल से इलाज की फाइल नहीं मिली

पेज 7
चीता यज्ञेश 'ओ 2 राइज एक्वा प्राइवेट लिमिटेड' के डायरेक्टर बने

पेज 8
डॉक्टर कृष्णा चौहान करवा रहे हैं इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021

# कृषि कानून रद्द होने पर महाराष्ट्र में बयानबाजी

## *CM उद्धव ठाकरे बोले- पहले जाग जाते तो अपमान नहीं होता, पवार ने कहा- चुनाव के डर से लिया फैसला*

तीनों कृषि कानून रद्द करने के ऐलान को महाराष्ट्र के लगभग सभी बड़े नेताओं ने किसानों की जीत बताया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा,"कृषि अधिनियम को निरस्त करने की घोषणा इस बात का उदाहरण है कि इस देश में आम आदमी क्या कर सकता है और इसकी ताकत क्या है।" CM ने कहा कि अगर सरकार पहले ध्यान देती तो जो अपमान अब हुआ है,

वह पहले नहीं होता।

CM ने आगे कहा कि इससे पहले कि केंद्र इस तरह का कानून बनाए, उसे सभी विपक्षी दलों के साथ-साथ संबंधित संगठनों को भी साथ लेकर देश के हित में निर्णय लेना चाहिए ताकि, आज जो अपमान हुआ है, वह आगे नहीं हो। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि इन कानूनों को निरस्त करने की तकनीकी प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी।"

**किसानों को मेरा सलामः उद्धव**

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पूरे देश में किसान कानूनों के खिलाफ विरोध का माहौल है। आंदोलन शुरू हुआ और आज भी जारी है। हम सबका पेट भरने वाले कमाने वाले इसके शिकार हो रहे हैं। लेकिन अन्नदाता ने अपना पराक्रम दिखाया, उसे मेरा तीन गुना सलाम। उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस अवसर पर मैं इस आंदोलन में जान गंवाने वाले सभी वीरों को नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा- गुरु नानक जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा आज की गई घोषणा का स्वागत करता हूं। महाविकास अघाड़ी ने इन कृषि कानूनों के खिलाफ बार-बार अपनी स्थिति बताई है और कैबिनेट और विधायिका में इन कानूनों के प्रतिकूल प्रभावों पर भी चर्चा की है।

**चुनाव में कीमत चुकानी पड़ती: पवार**

कृषि कानून को वापस लेने के फैसले का स्वागत करते हुए पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार ने कहा,'केंद्र सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि भाजपा के प्रतिनिधि गांव का दौरा करने के दौरान लोगों के सवालों का जवाब नहीं दे सके। इस समय मोदी सरकार ने कानून पारित करने से पहले किसी भी विपक्ष, किसान नेता या राज्य सरकार से चर्चा नहीं की।' पवार ने कहा कि मोदी सरकार पर तंज कसते हुए पवार ने कहा उत्तर प्रदेश और पंजाब में चुनाव आने वाले हैं, यह महसूस करने के बाद कि इस चुनाव में कीमत चुकानी पड़ेगी, इन कानूनों को वापस ले लिया गया।

कृषि कानून पर बिना चर्चा के निर्णय लेना गलत था। हमें किसानों से चर्चा करनी चाहिए थी। मैं भी कृषि मंत्री था तो हम बदलाव के बारे में चर्चा करते थे। उसके बाद सरकार बदल गई और मोदी सरकार एक ही बार में तीन कानून सदन में लाई। यह कानून सिर्फ 3 घंटे में पारित कर दिया गया।

**देर आए दुरुस्त आएः राउत**

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि यह किसान आंदोलन की विजय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का शिवसेना स्वागत करती है। 550 किसानों ने इस कृषि विधेयक कानून के विरोध में अपना बलिदान दिया है। देर आए दुरुस्त आए। आज मोदीजी ने उनके मुंह पर जोरदार तमाचा मारा जो अपने ही देश के किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, फर्जी किसान कहकर संबोधित कर रहे थे, चाहे वो बीजेपी नेता हो या हो अंधभक्त।

**मोदी सरकार का पतनः मलिक**

जिस तरह से आज केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने का फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। यकीनन यह देश के किसानों की जीत है। यह शुरुआत है मोदी सरकार के पतन का। आज यह भी साबित हुआ है कि देश में किसी की मनमानी नहीं चलेगी।

**अत्याचार हुआ तो फिर सड़क पर उतरेंगे किसानः अन्ना हजारे**

कृषि कानून रद्द करने पर वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे ने कहा, 'कृषि प्रधान भारत देश में किसान आत्महत्या करता है, किसान रास्ते पर उतरता है, किसान आंदोलन करता है,

ये दुर्भाग्य भरी बात है। तीन साल से किसान रास्ते पर आंदोलन कर रहे हैं। कृषि कानून वापस होना देश के लिए यह समाधान भरी बात है। हमारे देश की परंपरा है, त्याग करना पड़ता है, बलिदान करना पड़ता है और संघर्ष करना पड़ता है। ये हमारे देश का इतिहास है। अन्ना ने आगे कहा कि अगर आगे किसानों पर अत्याचार हुआ तो फिर से बड़े पैमाने पर किसान सड़कों पर उतरेंगे।

# देश की जनता को मोदी यह यकीन दिलाएं कि दोबारा ऐसे कानून नहीं लाएंगे : नाना पटोले

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानून उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों के आगामी चुनावों के मद्देनजर लिया है। उन्हें इस बात का डर है कि चुनावों में उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। पटोले ने कहा कि मोदी सरकार झूठे वादे करके सत्ता में आई थी और आज तक झूठ बोल रही है। मोदी सरकार को देश की जनता और किसानों को यह यकीन दिलाना होगा कि अब वे इस तरह के काले कानून दोबारा नहीं लाएंगे।

# हिंदी भाषा भवन के निर्माण पर दंगल

कलिना यूनिवर्सिटी कैंपस में हिंदी भाषा भवन निर्माण को लेकर सियासी दलों में एक बार फिर से दंगल शुरू हो गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीम खान (कांग्रेस) द्वारा इस पर राजनीति शुरू किए जाने पर पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्र ने भाजपा की ओर से जवाबी हमला बोलते हुए कहा कि यदि कांग्रेस की नियत सच में हिंदी भाषा भवन का निर्माण कराने की होती, तो वे सांस्कृतिक मंत्री अमित देशमुख (कांग्रेस) के बदले वित्त मंत्री अजित पवार

(राकांपा) या फिर उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत (शिवसेना) के बाद मीटिंग करते। गौरतलब है कि हिंदी भाषा भवन के निर्माण को सियासी रंग देने की शुरुआत पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीम खान (कांग्रेस) ने इस बार की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 2014 में भवन के निर्माण के लिए बजट आवंटित किया गया और भूमिपूजन तक हुआ था, परंतु पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री कार्यकाल में कुछ काम नहीं हुआ। उनके इस बयान के बाद भाजपा नेता आगबबूला हैं।

# बातचीत को तैयार नहीं यूनियन : एसटी हड़ताल को लेकर फडणवीस ने परब को दिए सुझाव

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी महामंडल) के कर्मचारियों की जारी हड़ताल के बीच प्रदेश के परिवहन मंत्री अनिल परब ने विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। गुरुवार को सागर बंगले में परब ने एसटी कर्मचारियों की हड़ताल के गतिरोध को खत्म करने के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री से चर्चा की। परब ने कहा कि फडणवीस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने मुझसे अनौपचारिक चर्चा में एसटी कर्मचारियों की मांगों के संबंध में कुछ सुझाव दिए हैं। जिस पर मैंने उन्हें कहा कि आपके सुझावों पर सरकार की राय लेकर विचार किया जाएगा। परब ने कहा कि कर्मचारी एसटी महामंडल को राज्य सरकार में विलिन करने की मांग को लेकर अड़ गए हैं। दूसरे किसी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं। एसटी महामंडल के विलिनिकरण के बारे में अध्ययन के लिए मुख्य सचिव सीताराम कुंटे की अध्यक्षता में समिति का गठन कर दिया गया है। इसलिए एसटी कर्मचारी विलय के मुद्दे को छोड़कर वेतन वृद्धि के लिए नए करार समेत अन्य मांगों पर सरकार से चर्चा के लिए आ सकते हैं। विधायक पडलकर को मिले सुरक्षा इस बीच भाजपा विधायक भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और रयत क्रांति संगठन के अध्यक्ष सदाभाऊ खोत ने भी फडणवीस से मुलाकात की। दूसरी ओर फडणवीस ने एसटी कर्मचारियों के हड़ताल का नेतृत्व करने वाले भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर को पुलिस सुरक्षा देने की मांग की है।

# चौंकान्ने वाली प्रतिक्रियाः पीएम मोदी के फैसले पर कंगना ने कहा शर्मनाक

मुंबई। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र के नाम संबोधन में जैसे ही तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया।

उनके इस ऐतिहासिक ऐलान का बॉलीवुड दुनिया के कई सितारों ने स्वागत किया और पीएम मोदी के इस फैसले की सराहना की, वहीं आजकल सुर्खियों में छायी अभिनेत्री कंगना रनौत ने मोदी सरकार के इस फैसले से नाराजगी व्यक्त करते हुए निराशा जाहिर की। पीएम मोदी के तीन कृषि कानूनों को रद्द करने के फैसले की सोनू सूद, तापसी पन्नू, हिमांशी खुराना और अन्य सेलेब्स ने सराहना की है। पीएम मोदी ने जैसे ही कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा पर कंगना रनौत ने अपने विचार व्यक्त किए

और तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, "दुखद, शर्मनाक और बिल्कुल अनुचित ... अभिनेत्री कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अगर लोग सड़कों पर हैं कानून बनाने लगे हैं संसद में चुनी हुई सरकार नहीं, तो यह भी जिहादी देश है। उन सभी को बधाई जो इसे इस तरह चाहते थे।"

दूसरी पोस्ट में कंगना ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 104वीं जयंती पर एक फोटो साझा की। इंदिरा गांधी की तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा जब देश की अंतरात्मा गहरी नींद में है, तो लठ (बेंत) ही एकमात्र उपाय है और तानाशाही ही एकमात्र संकल्प है... जन्मदिन मुबारक हो प्रधानमंत्री जी।

MUMBAI TARANG
मुंबई तरंग परिवार की तरफ से भावभीनी श्रद्धांजलि

# समीर वानखेड़े की नौकरी तो जाएगी! नवाब मलिक का दावा

मुंबई, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने एक बार फिर से समीर वानखेड़े के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने कहा कि समीर वानखेड़े की नौकरी जाना तय है। मलिक ने कहा कि समीर वानखेड़े ने एक के बाद एक कई फर्जीवाड़े किए हैं। इस फर्जीवाड़े में उनके पिता भी शामिल हैं। मलिक ने कहा कि नवी मुंबई में सद्गुरू रेस्टोरेंट एंड बार नाम का एक होटल चल रहा है। जिसके मालिक समीर वानखेड़े हैं। इस होटल का लाइसेंस समीर वानखेड़े के पिता ने इसे उनके नाम से जारी करवाया था। जब यह लाइसेंस जारी करवाया गया था। तब समीर वानखेड़े की उम्र 17 साल 10 महीने 19 दिन थी। समीर वानखेड़े उस समय नाबालिग थे, लेकिन उनके पिता ने इस बात की परवाह न करते हुए एक नाबालिग लड़के के नाम पर एक शराबखाना शुरू करवाया, यह कानूनन अपराध है। समीर वानखेड़े के तीन फर्जीवाड़े

नवाब मलिक ने कहा कि समीर वानखेडे ने तीन अहम फर्जीवाड़े किए हैं। जिसमें से पहला आर्यन खान ड्रग्स मामले में 25 करोड़ की फिरौती का मामला। जिसमें से 50 लाख लेना और फिर लौटाना। इसके बाद दूसरा फर्जीवाड़ा यह है कि उन्होंने फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए एक सरकारी अधिकारी की नौकरी हासिल की। जिसकी वजह से एक दलित समुदाय के व्यक्ति का हक मारा गया।

उनका तीसरा फर्जीवाड़ा यह है कि नाबालिग होने के बावजूद उनके नाम पर एक रेस्टोरेंट एंड बार का होना और इसके बारे में अपने विभाग को गलत जानकारी देना। यह शराब खाना आज भी समीर वानखेड़े के नाम पर चल रहा है। किसी भी सरकारी अधिकारी को यह अधिकार नहीं है कि वह नौकरी करते हुए एक शराब खाना चलाए। यह तीनों सबूत अपने आप में काफी हैं कि समीर वानखेड़े की नौकरी जाए। साथ ही उनके ऊपर मुकदमा दर्ज कर उन्हें सजा दी जाए। अगर अभी केंद्र सरकार समीर वानखेड़े की करतूतों पर आंख बंद करेगी, तो यह साबित होगा कि वह भी समीर वानखेड़े के साथ हैं।

**शराबखाने का 2 लाख 40 हज़ार किराया**

नवाब मलिक के मुताबिक समीर वानखेड़े ने साल 2017 में जो अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया है। उसके अनुसार इस सदगुरु बार एंड रेस्टोरेंट का 2 लाख 40 हजार सालाना किराया उन्हें मिल रहा है। इसके अलावा 1995 में इस संपत्ति की कीमत उन्होंने एक करोड़ रूपए दिखाई थी।

# हंगामा है क्यों बरपा

दिलचस्प बात है कि खुद कंगना अपने ताजा बयानों के कारण घिरी हुई हैं। उनका पद्मश्री सम्मान वापस लेने और उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की मांग कई पार्टियों ने की है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने कहा है कि वह उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। हालांकि

जाने-माने कमीडियन और ऐक्टर वीर दास ने वॉशिंग्टन के केनेडी सेंटर में हुए अपने कार्यक्रम की एक विडियो क्लिप सोमवार को अपलोड करके एक नए विवाद को जन्म दे दिया। विडियो हालांकि देखते-देखते वायरल हो गया, लेकिन 'आई कम फ्रॉम टू इंडियाज...' के जरिए इसमें कही गई बातें पीछे छूट गईं। बहस इस पर शुरू हो गई कि उन्हें विदेशी धरती पर ऐसी बातें कहनी चाहिए या नहीं। दिल्ली में एक बीजेपी नेता ने फटाफट पुलिस में शिकायत भी दर्ज करा दी। वीर दास के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वालों में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत भी शामिल हैं। उन्होंने इन्स्टाग्राम पर एक पोस्ट में वीर दास को अपराधी और उनके कृत्य को सॉफ्ट टेररिज्म करार देते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

इसमें संदेह नहीं कि कंगना ने जिस तरह से 1947 में देश को मिली आजादी को 'भीख' करार देते हुए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों का अपमान किया, उसका किसी भी रूप में समर्थन नहीं किया जा सकता। यह भी सच है कि एक बार ऐसा कहकर वह चुप नहीं हुईं, पिछले बयान को सही साबित करने की कोशिश में ऐसी बातें दोहराईं , जिन्हें कोई भी समझदार व्यक्ति बेतुका ही मानेगा। लेकिन बेतुकी बातें करना अपराध नहीं है। न ही सजा देकर किसी को समझदार बनाया जा सकता है। ठीक ऐसे ही वीर दास की बातें किसी को अच्छी तो किसी को बुरी लग सकती हैं। कुछ लोग उन बातों से सहमत होते हुए भी यह राय रख सकते हैं कि वे विदेशी धरती पर नहीं कही जानी चाहिए थीं। मगर ये अलग-अलग राय वीर दास के कार्य को अपराध नहीं बना देतीं।

आजकल देश में यह नया ट्रेंड ही चल गया है कि कोई भी किसी भी बात पर उठकर अपनी भावनाएं आहत होने की बात करने लगता है और इस क्रम में पुलिस और प्रशासन को शामिल कर लेता है। सरकारों और राजनीतिक दलों का रवैया भी इस ट्रेंड को किसी भी रूप में हतोत्साहित करने वाला नहीं लगता। इससे न केवल सरकारी तंत्र की सीमित ऊर्जा निरर्थक कार्यों में जाया होती है और उसकी कई जरूरी जिम्मेदारियां अनदेखी रह जाती हैं बल्कि विचार अभिव्यक्ति की संवैधानिक स्वतंत्रता पर बेवजह बंदिशें लगती हैं और समाज की रचनात्मकता प्रभावित होती है। जहां तक कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलू का सवाल है तो यह बात अदालतों के फैसलों से भी बार-बार रेखांकित होती रही है कि किसी के भी, कैसे भी बयान मात्र को देशद्रोह नहीं माना जा सकता। सभ्य और लोकतांत्रिक आचरण का तकाजा है कि जब तक स्पष्ट रूप से किसी कानून का उल्लंघन न हो रहा हो, तब तक ऐसे मामलों में सहमति या असहमति जताना काफी माना जाए।

# भूखे को मिले भोजन

किरीट ए. चावड़ा

देश में भूख से जूझती आबादी तक खाना पहुंचाने की स्कीम को लेकर मंगलवार को दिखा सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया समझा जा सकता है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में ही केंद्र सरकार से कहा था कि राज्यों के साथ मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिटी किचेन स्कीम की रूपरेखा तैयार की जाए। मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से अदालत में पेश किए हलफनामे में प्रस्तावित स्कीम को लेकर ऐसी कोई नई सूचना नहीं थी, जिससे पता चलता कि उस दिशा में कितनी प्रगति हुई है। दूसरी बात यह कि हलफनामा भी अंडरसेक्रेटरी लेवल के अधिकारी ने दायर किया था, जबकि सुप्रीम कोर्ट का पहले से ही निर्देश है कि सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी से ही हलफनामा दायर करवाया जाए। स्वाभाविक ही इससे कोर्ट को ऐसा लगा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को पर्याप्त तवज्जो नहीं दे रही है। सवाल कोर्ट के सम्मान का भी था। बहरहाल, इन तकनीकी सवालों से हटकर देखें तो किसी भी सभ्य समाज में यह स्थिति बर्दाश्त नहीं की जा सकती कि वहां किसी नागरिक के भूख से मरने की नौबत आ जाए। सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि कोई भी संवैधानिक व्यवस्था, नियम, कानून या संस्था इसके आड़े नहीं आ सकती। बावजूद इसके, अपने देश में आज भी आबादी के एक हिस्से के सामने दो वक्त भरपेट भोजन पाने की चुनौती बनी हुई है। कोरोना महामारी से उपजी स्थितियों ने हालात को और बदतर बनाया है।

बड़े पैमाने पर आजीविका के संकट से वंचित हुए लोगों में बहुत से ऐसे हैं, जिनका पुराना काम फिर से शुरू नहीं हो पाया है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट भी इस स्थिति की पुष्टि करती है, जिसके मुताबिक दुनिया के 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां है। पिछले साल भारत 94वें नंबर पर था। पड़ोसी देश पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश भी उससे अच्छी स्थिति में पाए गए। पाकिस्तान इस बार जहां 92वें स्थान पर है, वहीं बांग्लादेश और नेपाल 76वें नंबर पर। हालांकि भारत सरकार ने इस रिपोर्ट की मेथडॉलजी को लेकर कई सवाल उठाए हैं, जिन पर विचार होना चाहिए। फिर भी यह तथ्य अपनी जगह है कि देश की आबादी के एक हिस्से की हालत वाकई खराब है और उस तक समय पर भोजन पहुंचाने की व्यवस्था जल्द से जल्द होनी चाहिए। पर यह सवाल अब भी बचा रहता है कि इसका सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट में भी यह बात आई है कि कई राज्यों में मिलती-जुलती सी स्कीमें पहले से चल रही हैं। फिर यह भी है कि हर राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति भिन्न है। ऐसे में पूरे देश के हर जरूरतमंद के पास समय पर भोजन पहुंचाने का संकल्प पूरा करने का बेहतर तरीका शायद यही होगा कि केंद्र इसके लिए जरूरी फंड उपलब्ध कराने में जरूर सहयोग करे, लेकिन स्कीम का स्वरूप तय करने का काम आखिरकार राज्यों पर ही छोड़ दिया जाए।

# इकॉनमी की राह में महंगाई बनी दीवार

जिगर डी वाढेर

कोविड महामारी ने न केवल लाखों की जान ले ली बल्कि दुनिया में भुखमरी को भी बढ़ा दिया है। कई देशों में खेती पर भारी चोट पहुंची तो कई अन्य में मजदूरों की कमी हो गई। अमेरिका, इंग्लैंड और कनाडा जैसे देशों में खाद्यान्न ही नहीं, अन्य तरह के सामानों के भी ट्रांसपोर्टेशन में बाधा आई। कोविड के कारण दुनिया के कई देशों में सख्त लॉकडाउन लगा, जिससे मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को धक्का पहुंचा। जितना उत्पादन चाहिए था, उतना हो नहीं पा रहा है जिससे उनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। कच्चे तेल की कीमतें 50 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 85 डॉलर तक जा पहुंचीं। इन सबसे सिर्फ हमें ही नहीं सारी दुनिया की इकॉनमी को झटका लगा है।

**अमेरिका भी चपेट में**

हैरानी की बात है कि जिस देश पर महंगाई की सबसे ज्यादा मार पड़ी, वह है दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका। वहां अक्टूबर महीने में इन्फ्लेशन की दर बढ़कर 6.2 हो गई, जो तीस सालों में सबसे ज्यादा है। इससे वहां की इकॉनमी को फिर से पटरी पर लाने की कवायदों को बड़ा धक्का लगा है। अमेरिका न केवल खाद्यान्न के मामले में बहुत समृद्ध है बल्कि कच्चा तेल भी वहां पर्याप्त मात्रा में होता है।

बावजूद इसके, वहां एनर्जी महंगी हो गई और खाने-पीने के सामानों और दवाओं की कीमतें तेजी से बढ़ीं। इससे कई अन्य सेक्टर के सामानों की भी कीमतें चढ़ गईं।

सरकार ने वहां कोविड महामारी के दौरान खरबों डॉलर सोशल वेलफेयर स्कीम के तहत बांटे थे। इसका सबसे बुरा असर लेबर मार्केट पर पड़ा। मजदूरों ने काम करना बंद करके घरों में रहना बेहतर समझा। इससे लेबर की भारी कमी हो गई। कारखानों में काम धीमा हो गया। यहां तक कि ट्रक चलाने वाले ड्राइवर भी मिलने मुश्किल हो गए, जिससे सप्लाई चेन बाधित हुई और कीमतें अस्वाभाविक रूप से बढ़ गईं।

आज पूरी दुनिया एक छोटे से गांव में तब्दील हो गई है, जिसमें सभी देश एक-दूसरे से जुड़े हैं। दूसरे देशों से आने वाला सामान अमेरिका देर से पहुंच रहा है और अमेरिका से जाने वाला समान भी गंतव्य तक समय पर नहीं पहुंच रहा। हालत यह है कि दुनिया का सबसे अमीर देश समझा जाने वाला अमेरिका इस समय अभूतपूर्व महंगाई का दंश झेल रहा है और कोई नहीं जानता कीमतें कब कम होंगी। अमेरिकी सरकार के सामने यह एक चुनौती है क्योंकि उसकी तमाम नीतियां इकॉनमी पर निर्भर करती हैं। सुस्त इकॉनमी उसे परेशान कर रही है।

उभरते हुए सुपरपावर चीन में भी यही सीन है। आम तौर पर तो महंगाई बढ़ी ही है, खाने-पीने की चीजों के दाम विशेष रूप से बढ़ गए हैं। इसका कारण यह है कि वहां खाद्यान्न की भारी कमी है। चीन अपनी खपत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। वहां का मुख्य भोजन चावल है, जिसका उसे इस समय बड़ी मात्रा में आयात करना पड़ रहा है। जनवरी से अगस्त तक उसने 32 लाख टन चावल का इंपोर्ट किया है, जो पिछले साल की तुलना में दोगुना है।

चीन की सरकार इस तरह की खबरों पर पर्दा डालती है कि वहां अनाज की कमी हो गई है, लेकिन कुछ महीनों पहले जब वहां सरकार ने रेस्तरां में खाने वालों के लिए निर्देश दिया कि वे प्लेट में खाना न छोड़ें, तब यह बात खुली।

वहां न केवल इंसानों के खाने-पीने की चीजों की शॉर्टेज हो गई है बल्कि सुअरों को खिलाने वाला चारा (जो मुख्य रूप से सोयाबीन है) भी बेहद महंगा हो गया। इससे मांस की कीमत बढ़ गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वहां अगले साल भी महंगाई दर बढ़ने के आसार हैं। अभी ही वह बढ़ी हुई दरों पर अनाज इंपोर्ट कर रहा है।

उधर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों में महंगाई से ज्यादा परेशानी खाद्यान्नों की कमी के कारण है। फसलें खराब तो हो ही गईं, विदेशी मदद भी नहीं मिल पा रही क्योंकि अन्य देश भी कमोबेश उसी स्थिति से गुजर रहे हैं। कोविड महामारी के कारण हर जगह उत्पादन प्रभावित हुआ है। तमाम देशों में भी सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। उत्पादों और खाद्यान्नों का अकाल सा हो गया है। खराब मौसम ने कई देशों में अनाज की भारी कमी पैदा कर दी है।

आपसी लड़ाइयों, विद्रोही गतिविधियों ने आग में घी डालने का काम किया है। कुल आबादी का 26 प्रतिशत हिस्सा इस समय भूख की चपेट में है क्योंकि अनाज की भारी कमी है।

पड़ोसी देश पाकिस्तान की हालत भी नाजुक है। भारत से अनाज वगैरह न मंगाने का इमरान खान का फैसला देश को बहुत भारी पड़ा है। हर चीज महंगी हो गई है और आसानी से मिल भी नहीं रही है। रोजमर्रा की चीजें जैसे गेहूं, आटा, तेल-घी, मांस के दाम आसमान छू रहे हैं।

वहां महंगाई दर 9 प्रतिशत है और कीमतें थमने का नाम नहीं ले रहीं। डॉलर पाकिस्तानी मुद्रा की तुलना में 176 रुपये का हो गया है और समझा जाता है कि यह 200 रुपये तक जाएगा। उसके महंगे होने से खाने-पीने का सामान भी महंगा हो गया है क्योंकि वहां गेहूं, चीनी सभी इंपोर्ट किए जाते हैं।

खुद लगाई रोक

ध्यान रहे, जब भारत ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 के तहत मिला विशेष दर्जा वापस लिया था, तभी पाकिस्तान ने वहां से आने वाले रोजमर्रा के सामानों पर रोक लगा दी थी। इससे आटा, चीनी वगैरह की कीमतें काफी बढ़ गई थीं। यह भी एक विडंबना है कि जब बंटवारा हुआ था

तो पंजाब के सबसे उपजाऊ 15 जिले पाकिस्तान में गए थे और वह देश कई वर्षों तक अनाज के मामले में हमसे आगे ही रहा। अब सरकार की गलत नीतियों के कारण वहां उनकी भारी कमी हो गई है। साफ है कि कोविड महामारी ने दुनिया भर में न केवल बड़े पैमाने पर जिंदगियां लील लीं बल्कि करोड़ों लोगों के मुंह से निवाला भी छीन लिया है।

# टीम इंडिया को मुश्किलों से निकाल पाएंगे द्रविड़?

भूपेन्द्र पटेल

टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद अब इसे पंख लगाने की जिम्मेदारी ‘द वॉल’ कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ को मुख्य कोच बनाकर सौंपी गई है। रवि शास्त्री के 2017 में मुख्य कोच बनने के बाद से इस बार के टी-20 विश्व कप तक टीम इंडिया ने ढेरों सफलताएं हासिल कीं, लेकिन एक कसर रह गई। वह है आईसीसी ट्रोफी पर कब्जा जमाना। द्रविड़ के जिम्मेदारी संभालते ही पहली परीक्षा देने की बारी भी आ गई है। टीम इंडिया की न्यूजीलैंड के साथ टी-20 सीरीज शुरू हो चुकी है और इसके बाद दो टेस्ट खेले जाने हैं। इस सीरीज में द्रविड़ की कुछ छाप भी जरूर दिखेगी। इसके अलावा हम क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप की यह सीरीज जीतते हैं तो पिछले दिनों विश्व कप में इस टीम के हाथों मिली हार की किसी हद तक भरपाई हो जाएगी।

तालमेल की चुनौती

पिछले दिनों खत्म हुए टी-20 विश्व कप के बाद विराट कोहली के इस प्रारूप की कप्तानी छोड़ने पर रोहित शर्मा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। रोहित यदि सफलतापूर्वक कप्तानी की शुरुआत करते हैं तो आने वाले दिनों में उन्हें वनडे टीम का कप्तान बनाने का दबाव बन सकता है। वैसे भी विश्व में जिन देशों में कप्तानी बंटी हुई है, वहां सफेद गेंद और लाल गेंद के अलग-अलग कप्तान हैं। इसका मतलब है कि एक कप्तान के हवाले टी-20 और वनडे टीम तो दूसरे कप्तान के हवाले टेस्ट टीम रहती है। अगर अपने यहां भी ऐसी स्थिति बनती है तो द्रविड़ की प्रमुख जिम्मेदारी होगी यह सुनिश्चित करना कि टीम दो खेमों में न बंट जाए।

भारत में दो कप्तानों वाली स्थिति कोई पहली बार नहीं बन रही है। महेंद्र सिंह धोनी के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद वह और विराट कप्तान थे। लेकिन इन दोनों जैसे अच्छे संबंध रोहित और विराट में नहीं माने जाते। द्रविड़ इन दोनों खिलाड़ियों के साथ खेले भी हैं और आईपीएल में कप्तानी भी की है, इसलिए दोनों को टैकल करने में उन्हें शायद ही कोई दिक्कत आए। वहीं रोहित शर्मा कप्तान के तौर पर टीम को क्या दिशा देते हैं, इस पर भी टीम इंडिया का भविष्य काफी-कुछ निर्भर करेगा।

रोहित-द्रविड़ युग का दमदार आगाज, रोमांचक मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

रवि शास्त्री इस मलाल के साथ चले गए कि 2017 में टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालने के बाद टीम इंडिया को कोई भी आईसीसी ट्रोफी नहीं जिता सके। उनके कार्यकाल में भारत के सामने तीन मौके आए- 2019 में वनडे विश्व कप, 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और फिर टी-20 विश्वकप। दो बार न्यूजीलैंड ने सपना तोड़ा तो तीसरी बार हम सेमीफाइनल में ही नहीं पहुंच सके। द्रविड़ को भारत में 2023 में होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप तक के लिए कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप होनी है और अगले साल यानी 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। इसका मतलब है कि द्रविड़ को पहली बड़ी परीक्षा के लिए मात्र 11 महीने में तैयार होना है। रवि शास्त्री के कोच रहते भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में दो बार टेस्ट सीरीज जीती। अन्य देशों के खिलाफ भी ढेरों सफलताएं हासिल कीं। लेकिन वह जो काम नहीं कर पाए, उसे द्रविड़ किस तरह अंजाम देते हैं, यह देखने वाली बात होगी। द्रविड़ के निर्देशन में भारतीय टीम यदि तीन में से एक में भी विजेता बन सकी, तो उनका लोहा एक बार फिर मान लिया जाएगा। द्रविड़ के बारे में कहा जाता है कि वह किसी भी काम को व्यक्तिगत रूप से करने के बजाय उसके लिए एक सिस्टम बनाना पसंद करते हैं। बतौर खिलाड़ी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उनकी दूसरी पारी की सफलता का यही मंत्र भी है।

हम सभी जानते हैं कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊंचाइयों को छुआ है। लेकिन एक ऐसा देश है, जिसमें जाकर भारत ने अब तक टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और वह है दक्षिण अफ्रीका। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका का ही दौरा करना है। इस देश के खिलाफ भारत ने उसके घर में पहली टेस्ट सफलता 2006 में जोहानिसबर्ग में हासिल की थी। तब टीम के कप्तान राहुल द्रविड़ ही थे। इस बार वह अपनी टीम से कैसा प्रदर्शन करवा पाते हैं, इस पर सबकी नजर रहेगी।

अश्विन को खिलाकर रोहित शर्मा ने विराट कोहली की सबसे बड़ी गलती उजागर कर दी

बतौर खिलाड़ी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद राहुल द्रविड़ ने 2015 में अंडर-19 और इंडिया ए टीमों के कोच के तौर पर अपनी दूसरी पारी की शुरुआत की थी। उन्होंने इन चार सालों में तमाम युवाओं के करियर को संभाला ही नहीं बल्कि नई ऊंचाइयां भी दीं। इस दौर में उन्होंने ऐसी सप्लाई चेन बना दी थी, जैसी किसी अन्य देश में कभी नजर नहीं आई। इसी का परिणाम था कि भारत एक साथ इंग्लैंड और श्रीलंका दोनों के खिलाफ सीरीज खेलने में कामयाब हुआ। द्रविड़ के मुख्य कोच के कार्यकाल के दौरान एक और चुनौती आने वाली है। मौजूदा टीम में कई खिलाड़ी 33 से 35 साल के बीच के हैं। इनका करियर साल-दो साल से लेकर चार साल के बीच कभी भी खत्म हो सकता है। इनमें चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। द्रविड़ को समय रहते इन खिलाड़ियों के कम से कम दो-दो विकल्प तैयार करने होंगे।

भविष्य का कप्तान

भारतीय कप्तान विराट कोहली 33 साल के हैं और टी-20 टीम के कप्तान बनाए गए रोहित शर्मा 34 साल के। इनके अभी चार-पांच साल और खेलने की उम्मीद की जा रही है। इसलिए द्रविड़ के सामने भविष्य का कप्तान तैयार करने की चुनौती भी होगी। इसके लिए उनके पास केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं।

# कमिशन का लालच देकर बुजुर्गों से ठगी, 3 अरेस्ट

*रामजू की शिकायत पर समता नगर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया और मोबाइल लोकेशन के आधार पर वसई स्टेशन के पास जाल बिछाकर वहां से 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की जांच सीनियर पीआई आंनद राव हाके के मार्गदर्शन में पीआई हदल कर रहे हैं।*

मुंबई, समता नगर पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों से धोखाधड़ी करने वाले एक अंतराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह में शामिल आरोपी विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बदलने का लालच दे कर बुजुर्गों को ठग लिया करते थे। गिरोह में शामिल तीन आरोपियों को वसई से गिरफ्तार किया गया है। समता नगर पुलिस के अनुसार, मालाड निवासी रामजू अली साबरीवाला (56) की विरार में जूते की दुकान है। उसको 27 जुलाई की सुबह किसी ने कॉल कर कहा कि उसके पास डॉलर हैं, जो उसकी पत्नी को वेतन में मिले हैं। इन्हें भारतीय मुद्रा में कमिशन पर बदलना है। लालच में आकर रामजू ने उन लोगों पर भरोसा कर लिया और उनसे मिलने के लिए कांदिवली रेलवे स्काइवॉक के पास पहुंच गया। वहां रामजू से एक महिला समेत चार-पांच लोग मिले। उन्होंने रामजू को 16 हजार डॉलर के बदलने का ऑफर देकर कथित तौर पर डॉलर से भरे एक बैग को उसके हाथ में जबरन थमा दिया और सिक्युरिटी के तौर पर रामजू के पास स्थित साढ़े तीन लाख रुपये कैश लेकर वहां से चला गया। जाते-जाते आरोपियों ने रामजू से कहा कि डॉलर को बदलकर देने पर उन्हें उनका कमिशन दे दिया जाएगा। फिलहाल वे लोग सिक्युरिटी मनी के तौर पर उसका यह साढ़े तीन लाख रख रहे हैं। घर आकर जब रामजू ने बैग खोला, तो उसमें अखबारों की कतरनें भरी पड़ी थीं।

## यूपी में पकड़ा गया वर्षा गोयल के कत्ल का आरोपी

मुंबई, पिछले महीने वर्षा गोयल नामक लड़की की वसई के वालीव इलाके में हत्या कर दी गई थी। जिस राज कुंवर सिंह ने यह हत्या की थी, उसे यूपी के गोरखपुर शहर से पकड़ा गया है। यूपी एसटीएफ के एक अधिकारी ने एनबीटी को यह जानकारी दी। इस अधिकारी के अनुसार, 20 अक्टूबर को अदानी अपार्टमेंट गौरीपाडा में स्थानीय लोगों को एक घर से दुर्गंध का अहसास हुआ। इसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। पुलिस को वहां से सड़ी हुई हालत में एक लाश मिली। इसके बाद वालिव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई। मीरा-भाईंदर, वसई-विरार क्राइम ब्रांच ने समानांतर जांच शुरू की। इसमें पता चला कि इस कत्ल का आरोपी यूपी के बस्ती जिले का रहनेवाला है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को पकड़ने के लिए यूपी एसटीएफ के वरिष्ठ उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही से सहयोग मांगा। फौरन एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट को अलर्ट किया गया। 17 नवंबर को पता चला कि आरोपी गोरखपुर छोड़कर कहीं बाहर जाने वाला है। इसीलिए रेलवे बस स्टेशन तिराहे के पास पर्यटन कार्यालय के पास मीरा-भाईंदर, वसई-विरार क्राइम ब्रांच की टीम के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में उसे घेरा गया। जब उससे सख्त पूछताछ हुई, तो उसने कत्ल की बात स्वीकार की। आरोपी ने बताया कि उसने 11 अक्टूबर को ही वर्षा गोयल का अदानी अपार्टमेंट में कत्ल कर दिया था।

## महाराष्ट्र में एमबीबीएस छात्र की चाकू मार कर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, महाराष्ट्र के यवतमाल में वसंतराव नाइक गवर्नमेंट मेडिकल कालेज परिसर में एक छात्र की हत्या कर दी गई। इस घटना से शहर में हड़कंप मच गया। इस मामले की वजह से अन्य छात्र आक्रामक हो गए और गुस्साए छात्रों ने परिसर में नारेबाजी की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं अशोक पाल के परिजनों का कहना है कि पुलिस मामले में लीपापोती में जुटी है। असली अपराधियों तक नहीं पहुंच पा रही है। अशोक सुरेंद्र पाल नाम का मृतक छात्र एमबीबीएस के अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहा था, जो मूल रूप से मुंबई से सटे ठाणे जिले का रहनेवाला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेडिकल छात्र अशोक पाल 10 नवंबर को करीब साढ़े आठ बजे पुस्तकालय से अपने कमरे में जा रहा था। उसी समय उसे अज्ञात लोगों ने चाकू मार दिया। सीने में दो बार वार करने से वह खून से लथपथ हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कालेज के अन्य छात्रों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। करीब रात साढ़े ग्यारह बजे अस्पताल में उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार महीने पहले शहर के कुछ युवकों से उसके बैच के लड़कों से विवाद हुआ था। उस घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को भी दी गई थी और मामला लगभग सुलझ गया था।

# कोरेगांव भीमा जांच आयोग के समक्ष पेश हुईं IPS रश्मि शुक्ला

मुंबई, आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला बृहस्पतिवार को कोरेगांव भीमा जांच आयोग के समक्ष पेश हुईं। शुक्ला को पुणे में 2018 में युद्ध स्मारक पर हुई हिंसा से जुड़े मामले में समन जारी किया था। हालांकि, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह पेश नहीं हुए। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी शुक्ला आयोग के समक्ष पेश तो हुईं लेकिन उनका बयान दर्ज नहीं किया जा सका क्योंकि उन्होंने हलफनामा दाखिल करने लिए अतिरिक्त समय मांगा। शुक्ला ने आयोग से कहा कि उन्हें अभी हिंसा से एक दिन पहले हुए एल्गार परिषद के कार्यक्रम से जुड़े कुछ दस्तावेज पुणे पुलिस से प्राप्त नहीं हुए हैं। शुक्ला की अगली पेशी की तारीख अभी तय नहीं हो सकी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जे एन पटेल की अध्यक्षता वाले दो सदस्यीय जांच आयोग ने इस साल 22 अक्टूबर को रश्मि शुक्ला और परमबीर सिंह को समन जारी किये थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव सुमित मलिक इस आयोग के दूसरे सदस्य हैं। पुणे जिले के कोरेगांव भीमा में हिंसा के दौरान सिंह महाराष्ट्र के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) के पद पर थे जबकि शुक्ला पुणे की पुलिस आयुक्त थीं। मुंबई में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने बुधवार को सिंह को उनके खिलाफ दर्ज वसूली मामले में 'भगोड़ा अपराधी' घोषित कर दिया है। सिंह इस साल मई में आखिरी बार कार्यालय आए थे जिसके बाद वह अवकाश पर चले गए। राज्य पुलिस ने बंबई उच्च न्यायालय को पिछले महीने बताया कि सिंह के बारे में उसके पास कोई जानकारी नहीं है। वसूली मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने उन्हें भगोड़ा घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि आईपीएस अधिकारी को गैर जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद भी उनका पता नहीं चल सका है।

# बेमौसम बारिश से मुंबई की हवा हुई ठीकठाक, 4 दिनों से थी जहरीली

मुंबई, बेमौसम बारिश से भले ही मुंबईकरों को गर्मी से निजात न मिली हो, लेकिन यहां की हवा पहले से बेहतर हो गई है। गुरुवार को मुंबई की हवा सांस लेने के लिए अनुकूल हुई। पिछले 4 दिनों से खराब श्रेणी में रहने वाली समूची मुंबई की हवा 65 एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) के साथ संतोषजनक स्थिति में रही। इस दौरान कई स्थानों पर भी हवा की गुणवत्ता बेहतर हो गई।

वाहनों की बढ़ती संख्या और कंस्ट्रक्शन साइट के चलते कई बार यहां की हवा में जहर घुलता है और हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। पिछले 4 दिन से मुंबई और आस-पास के इलाकों की हवा खराब और बेहद खराब श्रेणी में रही। मुंबई की हवा की गुणवत्ता पर नजर रखने वाली सफर संस्था के प्रमुख वैज्ञानिक गुफरान बेग ने बताया कि बेमौसम बारिश से आसमान साफ होने के चलते हवा भी अच्छी हुई है। आने वाले 4-5 दिनों तक हवा की गुणवत्ता कमोबेश ऐसी ही रहने वाली है। बता दें कि हवा की गुणवत्ता प्रभावित होने से सबसे अधिक सांस लेने में तकलीफ और एलर्जी पीड़ितों को समस्या होती है।

### वर्ली की हवा सबसे साफ

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अच्छी हवा भांडुप की रही। मुंबई और आस-पास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता जांचने के लिए 10 स्टेशनों में 8 जगहों की हवा सांस लेने के लिए संतोषजनक रही। इस दौरान वर्ली और मझगांव की हवा अच्छी रही, जबकि भांडुप, कोलाबा, बोरीवली, चेंबूर और अंधेरी की हवा संतोषजनक थी। वहीं, मालाड और बीकेसी की हवा सामान्य श्रेणी में रही। बता दें कि 50 तक एक्यूआई- गुड, 51-100 तक संतोषजनक, 101-200 तक सामान्य, 201-300 तक खराब, 301-400 तक बेहद खराब, जबकि 401 से ऊपर चिंतनीय श्रेणी में आती है। गुरफान बेग ने बताया कि समुद्र की तरफ से चलने वाली हवाएं और वातावरण में आर्द्रता की अधिकता होने से वायुमंडल में विद्यमान प्रदूषित कण कम हो गए हैं, जिससे मुंबई की हवा की गुणवत्ता सुधरी है।

## एसटी हड़ताल खत्म करने के लिए पक्ष-विपक्ष ने की बैठक

मुंबई, एसटी कर्मचारियों की हड़ताल का हल तलाशने के लिए विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस और परिवहन मंत्री अनिल परब की गुरुवार को चर्चा हुई। चर्चा के बाद फडणवीस ने कहा कि राज्य के एसटी कर्मचारियों की हड़ताल लंबे समय तक चलना ठीक नहीं है। ऐसे में जल्द से जल्द समाधान निकालकर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाए और इसके लिए हम हर संभव मदद करने को तैयार हैं। परिवहन मंत्री परब से चर्चा के बाद फडणवीस से एसटी महामंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी मुलाकात की। इस दौरान फडणवीस ने कहा कि बीजेपी पूरी तरह एसटी कर्मचारियों के साथ है। उन्होंने कहा कि बुलढाणा में एक एसटी कर्मचारी ने खुदकुशी की है। एक अन्य कर्मचारी की डर की वजह से मृत्यु हो गई है, ऐसे में सरकार को चाहिए कि चर्चा कर समस्या का समाधान निकाले। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सदाभाऊ खोत और विधायक गोपीचंद पडलकर आदि भी उपस्थित थे।

# कॉमेडियन वीर दास की वीडियो पर बवाल, दिल्ली-मुबंई में पुलिस कंप्लेंट

नई दिल्ली, अभिनेता-हास्य कलाकार वीर दास की ओर से अमेरिका में दी गई एक प्रस्तुति से संबंधित वीडियो को लेकर छिड़ी बहस के बीच बुधवार को उनके खिलाफ दिल्ली और मुंबई में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। वीर दास ने सोमवार को यूट्यूब पर ‘आई कम फ्रॉम टू इंडियाज’ शीर्षक से एक वीडियो अपलोड किया था। यह वीडियो वॉशिंगटन डीसी के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में उनकी हालिया प्रस्तुति का हिस्सा था। छह मिनट के वीडियो में दास ने देश के कथित दोहरे चरित्र के बारे में बात की और कोविड-19 महामारी, दुष्कर्म की घटनाओं और हास्य कलाकारों के खिलाफ कार्रवाई से लेकर किसान प्रदर्शन जैसे मुद्दों का जिक्र किया। ट्विटर पर इस वीडियो के एक हिस्से की क्लिप साझा की जा रही थी, खासतौर पर उस हिस्से की जिसमें दास ने कहा था,

‘मैं एक ऐसे भारत से आता हूं, जहां दिन में स्त्री की पूजा होती है और रात में उनके साथ दुष्कर्म होता है।’

वीर दास ने मंगलवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि उनका इरादा देश का अपमान करने का नहीं था। तृणमूल कांग्रेस की सदस्य महुआ मोइत्रा के साथ-साथ कांग्रेस के नेताओं कपिल सिब्बल और शशि थरूर ने उनका समर्थन किया है। इस बीच दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता और मुंबई के वकील आशुतोष जे दुबे ने दास के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी है। नयी दिल्ली जिला पुलिस थाने में दर्ज करायी गई शिकायत में भाजपा की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता आदित्य झा ने आरोप लगाया कि उन्होंने देश की छवि धूमिल करने के इरादे से एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के खिलाफ ‘अपमानजनक’ बयान दिए।

झा ने दावा किया कि इस तरह के सभी ‘‘अपमानजनक’’ बयान देश और महिलाओं की छवि बिगाड़ने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिए गए।

## राज्यपाल से शिकायतः भाजपा नेताओं ने मंत्री नवाब मलिक पर लगाया शपथ के उल्लंघन का आरोप

मुंबई। राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नवाब मलिक ने भारतीय संविधान के तहत ली गई गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन किया। यह आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं ने गुरुवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौपा।महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. संजय पांडे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की। पांडेय ने कहा कि भारतीय संविधान के तहत ली गई गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन करने पर मंत्री नवाब मलिक का मंत्रीपद मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने कहा कि ड्रग्स मामले में मलिक ने अपने मंत्री पद का इस्तेमाल कर जो जानकारियां हासिल की उसे जांच एजेंसी को सौपना चाहिए था पर उन्होंने वे सारी जानकारियों को सार्वजनिक कर दिया है। यह गोपनियता की शपथ का उलंघन है। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष कृपाशंकर सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा के पदाधिकारी अनिल राय, शैलेश मिश्रा, चंद्रसेन तिवारी, ओमप्रकाश चौहान उपस्थित शामिल थे।

## बीएमसी में 30 वर्षों से सत्तारूढ़ शिवसेना पूरे नहीं कर सकी वादे

मुंबई। देश की सबसे अमीर मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गईं हैं और पार्टियों ने चुनावी वादों की झड़ी भी लगानी शुरू कर दी हैं लेकिन चुनावी जीत के बाद पार्टियां अपने वादों पर अमल नहीं करतीं। प्रजा फाउंजेशन की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। पिछले चुनावी वादे और मौजूदा स्थिति के आंकलन के बाद प्रजा फाउंडेशन ने पाया है कि पिछले 30 सालों से मुंबई महानगर पालिका पर काबिज शिवसेना उन समस्याओं को कुछ हद तक भी कम नहीं कर पाई जिसे उसने पूरी तरह सुलझाने का वादा किया था।

## तेंदुए के हमले में 2 गाय घायल, नागरिकों में खौफ

बालापुर। तहसील के ग्राम कान्हेरी गवली में गोशाला में बंधी एक किसान की दो गायों पर तेंदुए ने हमला कर दिया। गायों को बुरी तरह नोच लिया। बुधवार तड़के 3.30 बजे हुई इस घटना से गांव में खौफ का माहौल है। गांव में बाघ घुसा इसको लेकर दिनभर ग्रामीणों में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। तहसील के कान्हेरी गवली में बुधवार की रात नागरिक गहरी नींद में थे। इस बीच गांव में तेंदुए ने प्रवेश किया। ग्राम पंचायत के पिछले हिस्से में किशोर धनोकार की गोशाला में बंधी दो गायों की शिकार करने का प्रयास तेंदुए ने किया। तड़के अचानक गायों ने शोर मचाया, लेकिन गोशाला गांव के बाहर होने से किसी ने ध्यान नहीं दिया। जब सुबह 7 बजे किशोर धनोकार गाय को चारा-पानी देने पहुंचे तब उन्हें दोनों गाय घायल दिखी।

## मोबाइल चोरी मामले को लेकर गिरफ्त में आए दो आरोपी

बुलढाणा। शहर समेत परिसर में मोबाइल चोरी का प्रमाण बढ़ने से मोबाइल चोरी करने वाले आरोपियों को खोजकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया के आदेश से अपर पुलीस अधीक्षक बजरंग बनसोडे व उपविभागीय पुलिस अधिकारी सचिन कदम के नेतृत्व में बुलढाणा शहर पुलिस स्टेशन के थानेदार प्रदीप सालुंखे के नेतृत्व में स्थापित दस्ते ने कार्रवाई करते हुए दो मोबाइल चोरों को गिरफ्त में लेकर उनसे 20 मोबाइल समेत 2 लाख 50 हजार का माल जब्त किया है।

## नागठाणा में 19 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत!

वाशिम। समीपस्थ ग्राम नागठाणा में मोनिका विलास सुरुशे नामक 19 वर्षीय युवती की मंगलवार को संदिग्ध मृत्यु होने से ग्राम में सनसनी फैल गई । वाशिम ग्रामीण पुलिस ने मंगलवार शाम को ही मृतक युवती का शव कब्जे में लिया। मृतका का पोस्टमार्टम बुधवार दोपहर को स्थानीय जिला सामान्य चिकित्सालय में किया गया जिसमें युवती की मौत फांसी लगने से होने का प्राथमिक अनुमान व्यक्त किया गया है । इस मामले में ग्रामिण पुलिस द्वारा आकस्मिक मृत्यू का मामला दर्ज कर आगे जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ ग्राम नागठाणा निवसी विलास सखाराम सुरुशे की पुत्री मोनिका को मंगलवार दोपहर को गंभीर अवस्था में वाशिम के एक निजी चिकित्सालय में उपचार हेतु लाया गया । लेकिन चिकित्सालय में पहुंचने से पूर्व ही युवती की मृत्यु हो चुकी थी ।

## ड्रैगन पैलेस महोत्सव बुद्धवंदना के साथ होगा शुभारंभ

कामठी/कन्हान। शांतिशिल्प विश्वविख्यात ड्रैगन पैलेस टेम्पल के 22 वें स्थापना दिवस पर 19 से 21 नवंबर तक ड्रैगन पैलेस महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव में विविध धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होने की जानकारी ड्रैगन पैलेस टेम्पल की प्रमुख व ओगावा सोसाइटी की अध्यक्ष एड. सुलेखा कुंभारे ने दी। महोत्सव अंतर्गत 19 नवंबर को सुबह 10.30 बजे कुशीनगर के भदंत ज्ञानेश्वर महाथेरो की प्रमुख उपस्थिति में विशेष बुद्ध वंदना व धम्मदेसना होगी। विशेष बुद्ध वंदना में भदंत आर्यधम्म (श्रीलंका), भदंत महापंत महाथेरो, भदंत नागदिपांकर थेरो, भिक्षु व भिक्षुणी संघ सहभागी होंगे।

## खेत में रखा धान जलकर खाक, लाखों का नुकसान

भिवापुर। जुनी जवराबोडी में शोभा मोरेश्वर पुडके उम्र 50 वर्ष ( सर्वे नंबर 149) खेत है जहां खेत में काट कर रखे गए धान के ढेर को आग लगा दी गई। आग में 115 क्विंटल धान खाक होने का अनुमान है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 85 हजार रुपए है। इस संदर्भ में खेत मालिक ने जवराबोडी -तास ग्राम के पटवारी ईश्वर खोडे को सूचना दी। पटवारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। पटवारी ने निरीक्षण कर पंचनामा किया और आकस्मिक घटना के तौर पर दर्ज किया। नैसर्गिक आपत्ति योजना के अंतर्गत तहसील कार्यालय भिवापुर द्वारा इसकी जांच कर किसान को मुआवजा देने का प्रावधान है जिसके तहत यह कारवाई करने की जानकारी पटवारी ईश्वर खोडे से प्राप्त हुई है पंचनामा करते समय पुलिस पटेल रमेश राघोर्ते ,चेतन राघोर्ते , प्रभारी सरपंच नितिन लोभे मौजूद थे ।

# जैनों की आबादी उनके अपने समुदाय के लिए सबसे बड़ा खतरा और चिंता का विषय है

**जैन धर्म एक ऐसा धर्म है जो अहिंसा की बात करता है और उसका पालन करता है।**

हिरल शाह

आज पूरी दुनिया किसी न किसी के लिए लड़ रही है, कभी सीमा के लिए देशों के बीच लड़ाई होती है, कई बार धार्मिक मूल्यों के लिए लड़ाई होती है, कई बार पैसे और व्यापार के लिए लड़ाई-झगड़े होते हैं और कई बार परिवारों के अंदर भी झगड़े होते हैं।दिन में कोई भी अखबार उठाओ और आप वैश्विक स्तर पर लड़ाई और अपराध की घटनाओं के बारे में पढ़कर दंग रह जाएंगे।शांति शब्द आज केवल शब्दकोश तक ही सीमित है। जहां पूरी दुनिया लालची हो गई है और अनुत्पादक लड़ाई में शामिल है, हमें शांति फैलाने और प्रचार करने की जरूरत है।

आपने अपराधों में शामिल जैन लोगों के बारे में न तो बहुत कुछ देखा होगा और न ही पढ़ा होगा। इसका कारण यह है कि वे शांति और अहिंसा में विश्वास करते हैं। और आज पूरी दुनिया को ऐसे दृष्टिकोण और सिद्धांतों वाले लोगों की जरूरत है।

लेकिन आज पूरे जैन समुदाय के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी अपनी आबादी है। 2011 में एकत्र किए गए जनगणना के आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल जैन आबादी 4,451,753 है जो भारत की कुल जनसंख्या का केवल 0.40% है। जैन समाज विलुप्त होने के कगार पर है। हाल ही में यहां बहुत सारे जैन संत हैं जो इसके बारे में चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

**जैनों की घटती जनसंख्या का क्या प्रभाव है?**

**अर्थव्यवस्था**

जैन धन के मामले में सबसे अमीर

समुदाय हैं। वे भारत के कुल कराधान (tax) में 20% से अधिक का योगदान करते हैं। यह स्पष्ट है कि घटती जैन आबादी का कुल एकत्रित कर पर प्रभाव पड़ता है। जनसंख्या में वृद्धि आज आर्थिक आवश्यकता है।

**संस्कृति और परंपरा से समृद्ध।**

शांति और सद्भाव से भरपूर मूल्यों के साथ उनका भारत की संपूर्ण संस्कृति में बहुत बड़ा योगदान है। भारत का वास्तविक नाम भरत भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर रखा गया था। उनके डेरासर पूरे देश में और लगभग हर राज्य में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण हैं। अगर उनकी आबादी कम हो जाती है तो इन खूबसूरत और राजसी डेरासर की देखभाल करने वाला कौन होगा।

**शांति का प्रसार।**

विभिन्न धर्मों के लोगों पर जैनियों का बहुत अच्छा प्रभाव है। जैनियों की तरह वे भी शांति में विश्वास करने लगे हैं। ये कारक शांति को गति देने और अपराध दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैनों की कर्म में आस्था ने उन्हें प्रेम का प्रतीक बना दिया है।

**बिजनेस मॉडल को बढ़ावा देने पर असर।**

बहुत से लोग जैनियों से उनकी व्यावसायिक रणनीति के लिए प्रेरित होते हैं। व्यापार करने में एकता ने उन्हें बहुत तेजी से बढ़ने में मदद की है। यह समग्र उद्यमिता को बढ़ावा देता है। और बहुत से लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करता है। यह व्यापार संस्कृति आर्थिक विकास और देश की समग्र छवि के लिए महत्वपूर्ण है।

जैनियों को अपनी घटती जनसंख्या की इस चिंता का समाधान कैसे करना चाहिए?

**एकता।**

उन्हें पूरे समुदाय में एकता रखने की जरूरत है। एक साथ वे शांति और उनके धार्मिक सिद्धांतों का प्रसार कर सकते हैं। एकजुट होकर वे किसी भी बाधा को दूर कर सकते हैं, वे अपने समुदाय में लोगों का समर्थन और उत्थान कर सकते हैं।

**हम दो हमारे दो।**

यह रणनीति उनकी जनसंख्या को बढ़ाने और उन्हें विलुप्त होने से बचाने के लिए आवश्यक है। आज कई जैन परिवार सिर्फ एक बच्चा होने से खुश हैं। जब हर घर में दो बच्चे होंगे तो उनकी आबादी की समस्या अपने आप दूर हो जाएगी।

**उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है।**

यह समग्र जीवनकाल में सुधार करेगा। स्वस्थ जीवन दीर्घायु को बढ़ावा देगा।

स्वस्थ जीवन युवा पीढ़ी को फिट और फाइन रहने के लिए प्रेरित करेगा।

पूरे जैन समुदाय की स्थिति अभी या कभी नहीं है। उन्हें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भगवान महावीर के सिद्धांतों की पूजा उनके समुदाय द्वारा हमेशा के लिए की जाती है। और यह तभी संभव है जब जैन विलुप्त कहे जाने की श्रेणी से बाहर हो जाएं।

# विशेषज्ञों ने बताया-शरीर में ऐसे संकेतों का मतलब बढ़ गया है कोलेस्ट्रॉल का स्तर, जानिए कैसे करें इसे नियंत्रित?

चेतन बुट्टी

पिछले एक दशक में दुनियाभर में हृदय रोगों के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक हृदय रोग दुनियाभर में मौत के प्रमुख कारणों में से एक है। गौर करने वाली बात यह है कि कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना हृदय रोगों की मुख्य वजह माना जाता है। कोलेस्ट्रॉल, लिवर द्वारा उत्पादित एक वसायुक्त पदार्थ है, जो सेल मेंब्रेन्स का निर्माण करता है। कोलेस्ट्रॉल वैसे तो शरीर के लिए आवश्यक है पर इसका बढ़ना गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है। विशेष रूप से बैड कोल्स्ट्रॉल का स्तर बढ़ना हृदय संबंधी गंभीर रोगों का कारण बन सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार को होता है- गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। गुड कोलेस्ट्रॉल शरीर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है जबकि बैड कोलेस्ट्रॉल धमनियों में प्लाक के निर्माण और रुकावट का कारण बन सकता है।

ऐसे स्थिति हार्ट अटैक, स्ट्रोक या कार्डियक अरेस्ट के जोखिम को बढ़ा देती है। द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी फाउंडेशन के अनुसार, कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर ध्यान रखकर कई समस्याओं से बचा जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण सांस, जबड़े और बाहों परि दखाई देते हैं। आइए इस बारे में आगे की स्लाइडों में विस्तार से जानते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षणद अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के शोधकर्ताओं का कहना है, वैसे तो हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण सामने नहीं आते हैं, हालांकि जब मस्तिष्क या हृदय में रक्त संचार अवरुद्ध हो जाता है तो शरीर में इसके कुछ संकेत जरूर देखे जाते हैं। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर के कारण हार्ट अटैक या स्ट्रोक का जोखिम अधिक होता है। इसके अलावा शरीर में कुछ और लक्षण यदि लंबे समय तक बने रहते हैं तो इन्हें गंभीर संकेत माना जा सकता है।मतली आना।जबड़ों और बांहों में दर्दबहुत अधिक पसीना आना।सांस लेने में समस्या होना।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हाई कोलेस्ट्रॉल के स्तर और इसके संकेतों पर नज़र रखना अनिवार्य है। इस स्थिति में समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच की आवश्यकता होती है। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए शरीर में किसी भी प्रकार के असामान्य संकेतों को ध्यान में रखना आवश्यक माना जाता है।

आहार पर रखें विशेष ध्यानअमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार रेड मीट में सेचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है। अधिक मात्रा में सेचुरेटेड फैट का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। आहार में फाइबर से भरपूर चीजों जैसे साबुत अनाज, दाल, बीन्स, सब्जियां, मक्का और फलों को शामिल करके इस तरह के खतरों से सुरक्षित रहा जा सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल से बचाव कैसे करें?

ब्रिटिश हार्ट फ़ाउंडेशन के विशेषज्ञ कहते हैं, अगर जीवनशैली में बदलाव करने के साथ स्वस्थ आहार का सेवन किया जाए तो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ने से आसानी से रोका जा सकता है। इसके लिए कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना आवश्यक है।शराब और धूम्रपान से दूरी बना लें।सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम करें।रिफाइंड खाद्य पदार्थ, सेचुरेटेड फैट और अतिरिक्त शुगर के सेवन से बचें।अपने आहार में दाल, बीन्स, नट्स, टोफू को आदि को शामिल करें।

***नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से प्राप्त जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।***

# रोज सुबह खाएं एक मुट्ठी भीगे हुए काले चने, दूर होगी इन पोषक तत्वों की कमी

हम सभी के घरों में काले चने का सेवन वर्षों से किया जाता रहा है। काले चने को भिगोकर खाना सेहत के लिए और भी फायदेमंद माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रोजाना सुबह-सुबह अगर नाश्ते में एक मुट्ठी काला चना खाया जाए तो इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जा सकता है। काले चने को रात भर पानी में भिगो दें और सुबह जब वे नरम हो जाएं तो इसका सेवन किया जा सकता है। हालांकि इसकी मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक होता है, अधिक मात्रा में इसके सेवन से दस्त की समस्या हो सकती है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक भीगे हुए काले चने में कई प्रकार के पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि रोज सुबह इसका सेवन सेहत के लिए किस प्रकार से फायदेमंद हो सकता है? प्रोटीन और आयरन से भरपूरशाकाहारी लोगों के लिए भोजन के माध्यम से प्रोटीन प्राप्त करना बड़ी चुनौती रहती है, ऐसे लोगों के लिए भीगे हुए काले चने का सेवन काफी लाभदायक हो सकता है। भीगे हुए काले चने प्रोटीन से भरपूर होते हैं, इसके अलावा अगर आप एनीमिया से पीड़ित हैं तो आहार में काले चने को जरूर शामिल करना चाहिए। यह आयरन से भरपूर होता है और शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को सुधारने में मदद करता है। भीगे हुए काले चने फाइबर से भरपूर होते हैं जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह आपके शरीर से सभी हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के साथ पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में सहायक है। नियमित रूप से काले चने खाने से कब्ज और अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं दूर रहती हैं।

# अब मिनटों में बुक होगी आपकी ट्रेन टिकट, कैंसिलेशन पर तुरंत मिलेगा रिफंड

अक्सर ट्रेन टिकट को बुक करते वक्त हमको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी तरफ इनको कैंसिल कराने पर रिफंड भी हमारे अकाउंट में काफी देरी से◌ं क्रेडिट होता है। यात्रियों की इसी समस्या को दूर करने के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) ने एक नया पेमेंट गेटवे शुरू किया है, जिसका नाम आई पे (Ipay) है। IRCTC ने इसमें कई तरह के नए फीचर्स शामिल किए हैं, जिसका फायदा आपको ट्रेन टिकट को बुक करते समयि मलेगा। इस गेटवे के जरिए जब भी आप अपने ट्रेन टिकट को कैंसिल कराएंगे, तो उस समयि रफंड तुरंत आपके खाते में क्रेडिट कर दिया जाएगा। यही नहीं इसके जरिए रेल टिकट को बुक करना और भी आसान बन गया है। इसमें आपके समय की काफी बचत होगी। इसी कड़ी में आइए जानते हैं IRCTC के I-Pay फीचर के बारे में और कैसे आप इसके जरिए अपनी ट्रेन टिकट को बुक कर सकते हैं?

IRCTC I-Pay के जरिए आप बैंक के पेमेंट गेटवे के जरिए भुगतान करते हैं, जिसकी मदद से टिकट को बुक करने में समय की काफी बचत होती है। इसी सिलसिले में आइए जानते हैं IRCTC I-Pay के उस प्रोसेस के बारे में जिसको फॉलो करके आप अपनी ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको www.irctc.co.in पर विजिट करके लॉगिन करना है। उसके बाद अपनी यात्रा से जुड़ी डिटेल्स और जिस तारीख को आप सफर करने जा रहे हैं उसको दर्ज करें। इस प्रोसेस को करने के बाद रूट के मुताबिक अपनी ट्रेन का चयन करें।

# साप्ताहिक राशि भविष्यफल

**मेष:** यह सप्ताह मेष राशि के जातकों के लिए शुभ समाचार लेकर आ रहा है। आप प्रसन्न रहेंगे। नए जीवन की शुरुआत करेंगे। आर्थिक मामले आसानी से निपट जाएंगे। अचानक कहीं से धनलाभ होने की संभावना है। परिवार में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। स्वास्थ्य में पहले से सुधार आएगा, लेकिन सतर्क रहने की जरूरत है।

**वृषभ:** इस सप्ताह पारिवारिक कार्यो से भागदौड़ करनी पड़ेगी। परिवार के मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। आर्थिक दृष्टि से लाभ की स्थिति में रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय उत्तम चलेगा। नौकरीपेशा लोगों को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी और इसका लाभ प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। कोई पुराना मामला सप्ताह के अंत में दिक्कत दे सकता है।

**मिथुन:** इस सप्ताह आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। पैसों की आवक अच्छी होती रहेगी। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, बस बाहरी खानपान का ध्यान रखना है। संतुलित जीवन जीने का प्रयास करें। नौकरीपेशा को उन्नति मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

**कर्क:** मानसिक और शारीरिक रूप से थोड़ी परेशानी रहेगी। इस सप्ताह लंबी यात्राएं करने से बचें। धन हानि और दुर्घटना की आशंका है। सप्ताह के मध्य से जीवन को गति मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। फेफड़ों और श्वसन संबंधी परेशानी आ सकती है। परिवार में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी। किसी प्रिय मित्र या स्वजन से भेंट हो सकती है।

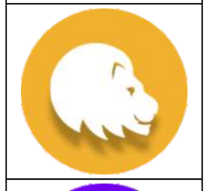
**सिंह :** इस सप्ताह आप जो भी काम करें पूरे मन से करें, अन्यथा लाभ भी पूरा नहीं मिल पाएगा। व्यापारी या नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य में पूर्ण सतर्कता रखनी होगी। प्रॉपर्टी के किसी दस्तावेज पर बिना सोचे-समझे साइन ना करें। कर्ज मुक्ति की स्थिति बन रही है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए वक्त सही है।

**कन्या :** सप्ताह में पारिवारिक कार्यो से यात्राएं करनी पड़ेंगी। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने की जरूरत नहीं है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। इससे कर्ज मुक्ति की स्थिति भी बनेगी। कारोबारियों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा को थोड़ी भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

**तुला :** इस सप्ताह आपके अटके हुए कार्यो को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने को आतुर रहेंगे। धन-संपत्ति के मामले सुलझेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। किसी से व्यर्थ विवाद न करें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास बनाए रखें। पारिवारिक या कार्य के संबंध में यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

**वृश्चिक :** अपने सोचे मुताबिक काम नहीं होने से क्रोध आएगा। अटके हुए काम इस सप्ताह भी नहीं हो पाएंगे। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में लाभ होने के आसार बनेंगे। अविवाहितों के विवाह की बाधा दूर होगी। किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

**धनु :** इस सप्ताह किसी स्वजन के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। रोगों पर खर्च की आशंका भी है। बड़े कार्यो के लिए कर्ज भी लेना पड़ सकता है। नौकरी में तरक्की की संभावना है। कारोबारी अपने कार्य का विस्तार करेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें, कोई धोखा कर सकता है। दांपत्य जीवन में अनावश्यक तनाव पैदा होगा।

**मकर :** सप्ताह की शुरुआत अच्छी होगी और इस पूरे सप्ताह आपको पारिवारिक मेलजोल में शामिल होना पड़ेगा। परिवार में मांगलिक प्रसंग होंगे। पारिवारिक कार्यो से मनोरंजक यात्राएं करेंगे। कारोबारियों के लिए समय आगे बढ़ने का है। नौकरीपेशा को अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

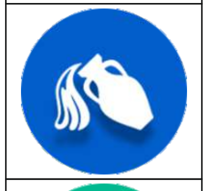
**कुंभ :** अटके हुए काम बनने के योग हैं। यदि किसी नए काम की योजना पहले से बना रखी है तो उसे पूरा करने में जुट जाएं। समय ठीक है। दांपत्य जीवन में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। स्वजन से आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। प्रॉपर्टी और वाहन खरीदने के योग बनेंगे। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**मीन :** यात्राओं पर व्यय होगा। पारिवारिक और प्रोफेशनल लाइफ में तालमेल बनाकर चलना होगा। स्वजन से मनमुटाव हो सकता है। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। आय के एक से अधिक साधन प्राप्त रहेंगे। प्रॉपर्टी से लाभ कमाएंगे। बीमा-निवेश आदि से लाभ की संभावना है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। किसी प्रियजन से भेंट हो सकती है।

# चुटकुले

**सोनू मोनू बात कर रहे थे**
**तभी उसी दौरान मोनू ने एक सवाल पूछा कि बीवी क्या है?**
**उसका जवाब देते हुए सोनू ने कहा-**
**बीवी उस शक्ति का नाम है जिसके एक बार आंख दिखाने से ही**
**लौकी की सब्ज़ी में कढ़ाई पनीर का स्वाद आने लगता है...**

**साली ने जीजा से पूछा - जीजा जी, क्या आप जर्मन भाषा पढ़ सकते हो?**
**जीजा ने कहा - क्यों नहीं, बिल्कुल पढ़ सकता हूं**
**साली - वो कैसे जीजा जी?**
**जीजा - साली जी, बस अगर जर्मन भाषा हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तब पढ़ सकता हूं।**

## अमृतसर-जालंधर सेक्शन पर ब्लॉकःब्लॉक से 21 को अहमदाबाद-श्रीमाता वैष्णो देवी ट्रेन बदले मार्ग से चलेगी

उत्तर रेलवे के अमृतसर-जालंधर रेल खंड पर अमृतसर-मननवाला स्टेशनों और अमृतसर-वेरका स्टेशनों के बीच एल-क्रॉसिंग पर रोड अंडर ब्रिज के चल रहे कार्य के कारण 18, 22 एवं 25 नवंबर की रात 22.40 बजे से सुबह 4.40 बजे तक 6-6 घंटे के तीन ट्रैफिक और ओएचई ब्लॉक लिए जाएंगे। इसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और डायवर्ट किया जाएगा। 21 और 24 नवंबर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 02903 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर स्पेशल को मननवाला स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। 21 नवंबर को छूटने वाली ट्रेन संख्या 09415 अहमदाबाद-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन जालंधर सिटी-अमृतसर-पठानकोट की बजाय परिवर्तित मार्ग जालंधर सिटी-मुकेरियां-पठानकोट के रास्ते चलाई जाएगी। यह ट्रेन ब्यास-अमृतसर-बटाला स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी।

## करंट लगने से किशोर की मौत

एक माह पहले अमरोली के कोसाड आवास स्थित एक सैलून में बिजली करंट लगने के 14 वर्षीय किशोर की मौत के मामले में पुलिस ने दो लोगों खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। अमरोली के श्रीराम नगर निवासी हरिओम दाताराम कुशवाह के 14 वर्षीय पुत्र अंकित की गत 9 अक्टूबर को कोसाड आवास स्थित एक सैलून की दुकान में बिजली करंट लगने मौत हो गई थी। अमरोली पुलिस की जांच में रांदेर के गरीब नवाज अपार्टमेंट निवासी समीर चांदा मंसूरी और कोसाड आवास निवासी सुहेल नजीर पटेल द्वारा घरेलू बिजली कनेक्शन का अवैध रूप से उपयोग करने का मामला साने आया था।

## सूरत में औद्योगिक इलाकों में दुकानों, कारखानों में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य

सूरत के औद्योगिक इलाकों में छोटी बच्चियों से दुष्कर्म के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आरोपियों को पकड़ना पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। कुछ मामलों में पुलिस को मुखबिरों से आरोपियों की जानकारी मिल जाती है, तो कुछ मामलों में आरोपी वारदात करने के बाद शहर से भाग जाते हैं। तेजी से विकसित हो रही तकनीक और बदल रहे जमाने में आरोपियों को पकड़ने में सीसीटीवी कैमरों की भूमिका अहम होती जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों तक आसानी से पहुंच जाती है। बता दें, अभी शहर के अलग-अलग इलाकों में 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। हालांकि ये कैमरे हर गली-मोहल्ले में हो रहे अपराधों को रिकॉर्ड नहीं करने में कम पड़ रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों की सबसे ज्यादा कमी औद्योगिक इलाकों में हैं, जबकि सबसे ज्यादा अपराध यहीं होते हैं। पुलिस औद्योगिक इलाकों में दुकानों और कारखानों में सीसीटीवी कैमरा लगाने पर जोर दे रही है। सचिन पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए 18 से अधिक दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पिछले दिनों उन से 18 दिन की बच्ची लापता हो गई थी, उसे खोजने में कई दिन लग गए थे।

## अहमदाबाद में लूट के लिए एक और सीनियर सिटिजन की हत्या

अहमदाबाद में एक और सीनियर सिटीजन की हत्या का मामला सामने आया है। शहर के साबरमती इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति की गला रेतककर हत्या कर दी गई। बता दें, शहर में पन्द्रह दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है, जिसमें लूटपाट के लिए बुजुर्ग नागरिक को निशाना बनाया गया है। इससे पहले गत 2 नवम्बर को शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए एक बुजर्ग दंपत्ति को मौत के घाट उतार दिया गया था।

साबरमती पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देवेन्द्र रावत नामक (63) की मंगलवार रात को गला रेत कर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह उसके इसी इलाके में स्थित पुराने घर से खून में लथपथ शव मिला। मृतक के गले से सोने की चेन और मोबाइल समेत 85 हजार रुपए का सामान गायब है। प्राथमिक रूप से हत्या की वजह लूट मानी जा रही है। इसे ध्यान में रखकर पुलिस जांच कर रही है। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी गीताबेन रावत की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है।

## बढ़ने लगी मरीजों की संख्या

गुजरात में कोरोना के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। बुधवार को कोविड-19 के 54 नए मामले सामने आए, जो पिछले चार महीने में सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 8,27,068 हो गई। राज्य में 10 जुलाई को कोरोना के 53 मामले दर्ज हुए थे, उसके बाद कोरोना मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इन चार महीनों के दौरान कभी भी कोविड-19 के 50 से ज्यादा मामले सामने नहीं आए हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है संक्रमण से किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है और मृतकों की संख्या भी 10,090 पर स्थिर है। राज्य में फिलहाल एक्टिव मरीजों की संख्या 291 है। गुजरात में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित डायमंड सिटी सूरत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना की रोजाना आठ-दस रिपोर्ट पॉजिटिव आने लगी हैं। शहर-जिले में बुधवार को 7 कोरोना संक्रमित मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई और 3 मरीज डिस्चार्ज हुए। अभी तक शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र से कुल 1,43,985 मरीज कोरोना संक्रमित हुए। अब तक शहर जिले में कुल 2116 की मौत हुई और 1,41,842 मरीज अस्पताल से स्वस्थ होकर घर लौटे हैं।वहीं, इस मामले में पूरे गुजरात के कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो संख्या 8 लाख के पार हो चुकी है। प्रदेश में कोरोना मामलों की कुल संख्या 8, 27 लाख हो गई है। वहीं, अब तक इस महामारी के चलते 10,090 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

# कोरोना मुआवजे के लिए मशक्कत-9 हजार 371 के परिजनों को अस्पतालों के लगाने होंगे चक्कर, क्योंकि अस्पताल से इलाज की फाइल नहीं मिली

कोरोना से 9371 मृतकों के परिजनों को मुआवजा पाने के लिए अभी अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ेंगे, क्योंकि अस्पतालों ने उन्हें इलाज की फाइल ही नहीं दी। इसी फाइल में केस पेपर, उपचार संबंधी सभी कागजात और जांचें होती हैं। जिन मृतकों के कॉज ऑफ डेथ में कोरोना का जिक्र नहीं है, उनके मृत्य सर्टिफिकेट में मौत का कारण कोरोना जोड़ने के लिए परिजनों के फॉर्म जमा करते समय ये कागजात देने अनिवार्य हैं। अब जब फाइल अस्पतालों के पास हैं तो वे कैसे फॉर्म भर पाएंगे।

इसके उन्हें अस्पतालों में जाकर फाइल लेनी होगी। कोरोना काल में शहर में कोरोना अस्पतालों में लगभग 11000 मौतें हुई हैं। इनमें से 9371 के कॉज ऑफ डेथ में कोविड का जिक्र नहीं है। इनकी मौतों का कारण कोरोना नहीं माना गया है। अब जब मुआवजे की बात चल रही है तो परिजनों के पास कॉज ऑफ डेथ के अलावा अस्पताल से इलाज की फाइल तक नहीं मिली है। सरकारी-निजी अस्पतालों में हजारों मृतकों की फाइल पड़ी है।

अस्पतालों का कहना है कि इसे रिकॉर्ड के लिए रखा गया है। फाइल में मरीज की जांचें और इलाज का जिक्र रहता है। इसके साथ इलाज करने वाले डॉक्टर का भी जिक्र होता है। मरीज को कब कैसे और कौन सा इलाज दिया गया। कौन सी रिपोर्ट कब-कब कराई गई जैसी तमाम जानकारी होती हैं। शहर में 11 हजार से अधिक मरीजों की मौत हुई हैं, लेकिन केवल 1629 मरीजों की ही मौत कोरोना में गिनी गई है।

इन्हें कोरोना के मृतकों में नहीं गिना गया

1. जिनका कोरोना अस्पताल में कोरोना का इलाज हुआ, लेकिन उनकी आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आई और मौत हो गई

2. रैपिड टेस्ट पॉजिटिव आया, पर आरटीपीसीआर निगेटिव, कोरोना के इलाज के दौरान मौत हुई3. सीटी स्कैन में कोरोना की पुष्टि हुई, लेकिन आरटीपीसीआर निगेटिव, इलाज के दौरान मौत

डेथ ऑडिट कमेटी ने किसे माना कोरोना मृतक, किसे नहीं

पहली लहर में कोरोना पॉजिटिव होने पर ही कोरोना से मौत माना जाता था

दूसरी लहर में रैपिड पॉजिटिव वाले मरीजों की मौत को नहीं माना गया

आरटीपीसीआर पॉजिटिव हो लेकिन साथ में कोई गंभीर बीमारी भी हो तो भी कोरोना से मौत नहीं गिना

सीटी स्कैन जांच में कोरोना पॉजिटिव, पर मौत को कोरोना नहीं गिना गया

आरटीपीसीआर पॉजिटिव और अन्य कोई बीमारी नहीं होने पर इलाज के दौरान मौत को ही कोरोना से मौत माना गया

मृतक प्रमाण पत्र जरूरी

निजी और सरकारी अस्पतालों ने कहा कि परिजन इलाज की फाइल मांगेगे तो दी जाएगी। अब परिजनों को फाइल लेने के लिए अस्पतालों में जाना होगा और मृतक से संबंधित सभी जरूरी कागजात दिखाने होंगे।

मरीज की फाइल रिकॉर्ड के लिए हम अस्पताल में ही रख लेते हैं

यहां से हम मरीज की फाइल नहीं देते, उसे रिकॉर्ड के लिए रखा जाता है। इलाज के दौरान मौत होने पर कॉज ऑफ डेथ दे देते हैं, जिसमें कोरोना पॉजिटिव, निगेटिव और संदिग्ध का जिक्र होता है। अगर कोरोना संबंधी कोई बात होगी तो उसका भी जिक्र डेथ सर्टिफिकेट में होता ही है। -डॉ. बंदना देसाई, अधीक्षक स्मीमेर अस्पताल

परिजनों को जांच रिपोर्ट दी जाती है, अगर फाइल मांगते हैं तो मिलेगी

जांच की सभी रिपोर्ट परिजन को दी जाती है, जिसमे ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, सीटी स्कैन जैसी सभी जांच रिपोर्ट शामिल है। इसके अलावा अगर मरीज की मौत हुई तो डेथ सर्टिफिकेट में इलाज का जिक्र भी किया जाता है। हम केवल केस समरी की फाइल नहीं देते। कोई मरीज फाइल मांगता है तो उसे फाइल दी जाएगी। -डॉ. समीर गामी, यूनिक अस्पताल

## डॉ. जिगीशा आत्महत्या केस:20 गवाहों के बयान लेकर जांच कमेटी ने डॉक्टरों को दी क्लीन चिट, सीनियरों पर लगा था प्रताड़ित करने का आरोप

स्मीमेर हॉस्पिटल के गर्ल्स हॉस्टल में 24 अक्टूबर को हुई महिला रेजिडेंट डाक्टर की आत्महत्या मामले की जांच के लिए बनी कमेटी ने सीनियर डाक्टरों के क्लीन चिट दे दी है। सीनियर डाक्टरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा था। कमेटी की जांच में आत्महत्या का कोई मुख्य कारण सामने नहीं आया है। बता दें कि महुआ निवासी और स्मीमेर के गायनिक विभाग में पीजी प्रथम वर्ष की छात्रा 25 वर्षीय रेजिडेंट डॉ. जिगीशा कनुभाई पटेल ने 25 अक्टूबर को अपने हॉस्टल रूम में एनेस्थीसिया का हाई डोज लेकर आत्महत्या कर ली थी।

सीनियर डाक्टरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा था। आरोपों की जांच के लिए अस्पताल प्रबंधन ने 3 विभागों के एचओडी की एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने प्रोफेसर, टीचर, सीनियर रेजिडेंट, नर्स व सफाई कर्मचारियों सहित 20 लोगों का बयान लिया। इन लोगों ने सीनियर डॉक्टरों द्वारा प्रताड़ना का जिक्र नहीं किया। स्मीमेर में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र दर्शन ने बताया कि कमेटी ने जांच रिपोर्ट सब्मिट कर दी है। प्रोफेसर से लेकर सफाई कर्मचारी तक के बयान लिए गए। विस्तारपूर्वक जांच की गई। कोई भी डॉक्टर या सीनियर डॉक्टर इस मामले में जिम्मेदार नहीं है।

## 85904 के रेट से लैपटॉप खरीदने पर विवाद:नेता प्रतिपक्ष बोले- फिर से टेंडर मंगाए मनपा; आप ने आयुक्त को पत्र लिख कहा- कम रेट में खरीदें

स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन परेश पटेल गुरुवार को कनाडा से सूरत लाैट आए। उनके आते ही आगामी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक का एजेंडा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया। इसमें 21 काम शामिल हैं। 120 पार्षदो को लैपटॉप देने का काम भी शामिल किया गया है। 72 हजार 800 और 18 फीसदी जीएसटी मिलाककर एक लैपटॉप 85 हजार 904 रुपए का पड़ रहा है। कुल मिलाकर 87 लाख 36 हजार रुपए के लैपटाॅप खरीदने हैं। इस पर विवाद हो गया है। नेता प्रतिपक्ष धर्मेश भंडेरी ने कहा कि शुरू में हमें 42 से 46 हजार रुपए में एक लैपटॉप खरीदने की बात सत्तापक्ष ने बताई थी। एक लैपटाॅप का दाम 85 हजार 904 कैसे हो गया पता नहीं। लैपटॉप तो कॉर्पोरेट सेक्टर के खरीदने की बात हो रही है, लेकिन कॉर्पोरेट सेक्टर जैसे नहीं हैं। इसमें माइनर कॉन्फिग्रेशन बदलकर लैपटॉप की खरीदी की जाए तो कम से कम 30 हजार रुपए तक की बचत हो सकती है।

मनपा आयुक्त से फिर से टेंडर मंगाने की मांग की गई है। पार्षदों के लिए लैपटॉप खरीदने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के नेता शुरू से ही सवाल उठा रहे हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष धर्मेश भंडेरी कह चुके हैं कि सत्तापक्ष ने उन्हें सस्ते लैपटॉप खरीदने की बात कह कर विश्वास में लिया था। स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। उसके बाद इस काम को स्थगित रख दिया गया था। अब फिर से बढ़े रेट पर लैपटॉप खरीदने का काम एजेंडे में शामिल किया गया है। पिछली बैठक में लैपटाप का काम नहीं शामिल किया था लैपटॉप खरीदने का काम 3 नवंबर की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में मुल्तवी रख दिया गया था। उस समय स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कनाडा गए थे। हालांकि लैपटॉप खरीदने के काम के लिए ज्यूपिटर ऑटोमेशन और सीपीएस टेक्नोलॉजी कंपनी ने टेंडर भरा था। प्रति लैपटॉप 72 हजार 800 रुपए और 18 फीसदी जीएसटी के हिसाब से 87 लाख 37 हजार का रेट रखा था। पिछले गुरुवार की बैठक में सिर्फ 3 काम शामिल किए गए थे, जिनमें यह काम नहीं था।

## वतन वापसी की खुशी-करीब 4 साल तक पाकिस्तान की जेल में रहने के बाद घर लौटे गुजरात के 20 मछुआरे, पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

पाकिस्तान की ओर से रिहा किए गए 20 भारतीय मछुआरे गुरुवार को गुजरात के जूनागढ़ शहर पहुंच गए। सभी मछुआरे मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुए थे। मछुआरों ने बताया कि पाकिस्तानी मरीन मछली पकड़ते समय उन्हें समुद्र अरेस्ट कर कराची ले गई थी। यहां वे करीब 4 साल से लांधी जेल में बंद थे।

परिवार की मदद के लिए पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

हाल ही में भारत द्वारा कुछ पाकिस्तानी मछुआरों को रिहा किया गया था। इसी के बदले में पाकिस्तान ने इन मछुआरों को रिहा किया है। पाक की जेल में बंद इन मछुआरों के परिवारों को केंद्र सरकार द्वारा हर महीने 9 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही थी। इस मदद के लिए मछुआरों ने पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। लांधी जेल के अधीक्षक इरशाद शाह ने कहा कि भारतीय अधिकारियों की ओर से मछुआरों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करने के बाद सद्भावना के तौर पर इन्हें रिहा कर दिया गया है। इरशाद शाह ने कहा कि इन मछुआरों ने करीब चार साल जेल में गुजारे थे और पाकिस्तान सरकार की ओर से सद्भावना के तौर पर रविवार को इन्हें रिहा कर दिया गया। गैर-लाभकारी सामाजिक कल्याण संगठन एधी ट्रस्ट फाउंडेशन ने मछुआरों को लाहौर में वाघा सीमा तक ले जाने की व्यवस्था की। 588 भारतीय नागरिक लांधी जेल में बंद इरशाद शाह ने आगे बताया कि कि अब भी 588 भारतीय मछुआरे लांधी जेल में बंद हैं। उन्होंने कहा कि सिंध के गृह विभाग से मंजूरी मिलने के बाद हम इन्हें रिहा कर देते हैं। मछुआरों को पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा बल (पीएमएसएफ) ने गिरफ्तार किया था और पाकिस्तानी जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में डॉक पुलिस को सौंप दिया गया। बता दें, पाकिस्तान सरकार ने पिछले साल की शुरुआत में 20 भारतीय मछुआरों और अप्रैल 2019 में 100 भारतीय मछुआरों के एक अन्य जत्थे को सद्भावना के रूप में रिहा किया था।

## मौसम में बदलाव-दिनभर बादल छाए रहे, बारडोली में 2 घंटे में 1 इंच पानी बरसा, हल्की बारिश के आसार

अरब सागर में लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय होने से गुरुवार को दिनभर बादल छाए रहे। गुरुवार सुबह पलसाना और बारडोली के कुछ गांवों में बारिश हुई। दोपहर 2 से 4 बजे के बीच बारडोली में 1 इंच बारिश हुई। गांव और शहर में दो दिनों तक इसी तरह की गैर-मौसमी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री, न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता का प्रमाण 71 फीसदी दर्ज किया गया। उत्तर-पूर्व दिशा से 4 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली। दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के दौरान 4 तहसीलों में बारिश हुई। बारडोली में में 27, मांगरोल में 4, कामरेज में 3 और महुआ में 2 मिमी बारिश हुई। शहर समेत 6 तहसीलों में बारिश नहीं हुई।

## नहीं भर रहीं कॉलेजों में सीटें:यूनिवर्सिटी 1 लाख छात्रों को फोन कर पूछ रही- प्रवेश लिया या नहीं, किसी ने कहा- शादी कर ली तो कोई बोला व्यापार करेंगे

इस बार मास प्रमोशन की वजह से बड़ी संख्या में छात्र पास हुए हैं। इससे ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें कम पड़ गई थीं। इसे देखते हुए वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी ने कॉलेजों की सीटें बढ़ा दी थीं, फिर भी बीकॉम सहित कई विभागों में सीटें खाली रह गईं, इसलिए यूनिवर्सिटी छात्रों को फोन करके एडमिशन के लिए प्रोत्साहित कर रही है। यूनिवर्सिटी ने 100000 छात्रों को फोन करने का अभियान शुरू किया है। छात्रों को फोन करके पूछा जा रहा है कि प्रवेश लिया है या नहीं। जिन छात्रों ने प्रवेश नहीं लिया है उन्हें जिस कॉलेज में सीट खाली हैं उसकी जानकारी देकर प्रवेश के लिए कहा जा रहा है। कई छात्रों ने जबाव दिया है कि शादी हो जाने के कारण वे पढ़ाई नहीं करेंगे। कई छात्रों ने यह भी कहा कि जितना पैसा पढ़ाई में खर्च करेंगे उतने में कारोबार शुरू

कर लेंगे।यूनिवर्सिटी जिन 100000 छात्रों को फोन कर जानकारी मांग रही है, उनमें ऐसे छात्र भी शामिल हैं, जिन्होंने आवेदन तो किया है, लेकिन रजिस्ट्रेशन फीस जमा कराने के बाद आगे की प्रक्रिया नहीं की है। कई ऐसे छात्र हैं जिन्होंने फीस भरने के बाद भी आगे की प्रक्रिया नहीं की है।यूनिवर्सिटी के प्रयास से कॉलेजों को फायदा हो रहा है। यूनिवर्सिटी के प्रयास से कॉलेजों को फायदा हो रहा है यूनिवर्सिटी को फोन पर छात्रों से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार कुछ छात्रों ने अभी तक फीस नहीं भरी है तो कुछ ने प्रवेश नहीं लिया है। ऐसे छात्रों को उनके नजदीकी काॅलेज में प्रवेश लेने के लिए कहा जा रहा है। इससे कालेजों को फायदा हो रहा है। यूनिवर्सिटी के टेक्निकल विभाग के बृजेश वाघेला ने बताया कि छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए यह कोशिश की जा रही है।

# अलविदा चैंपियन-सही मायने में 360 डिग्री खिलाड़ी थे डिविलियर्स, नौ खेलों के अलावा संगीत और साइंस में भी किया कमाल

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया। डिविलियर्स ने टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नई परिभाषा लिखी। मैदान के चारों तरफ शॉट लगाने की क्षमता के कारण उन्हें मिस्टर 360 कहा जाने लगा, लेकिन असल जीवन में भी वो मिस्टर 360 ही थे। अपने करियर में उन्होंने जिस चीज को हाथ लगाया वो सोना हो गई। उनके क्रिकेट में उनके आंकड़े और बाकी रिकॉर्ड इसकी गवाही देते हैं। डिविलियर्स ने क्रिकेट सहित नौ खेलों में अपना जलवा दिखाया। इसके अलावा साइंस प्रोजेक्ट के लिए मेडल जीता और संगीत की दुनिया में भी जलवा दिखाया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में डिविलियर्स के नास सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 31 गेंदों में शतक लगाया था। वनडे में सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंद) और 150 रन (64 गेंद) भी उन्होंने ही बनाए हैं। डिविलियर्स के पिता डॉक्टर थे और भी अपने पिता की तरह डॉक्टर बनना चाहते थे, लेकिन क्रिकेट और अन्य खेलों में सफलता के बाद उन्होंने अपना इरादा बदल दिया।

क्रिकेट के अलावा इन खेलों में डिविलियर्स ने किया कमालएबी डिविलियर्स कोसंगीत की भी अच्छी समझ है और उन्होंने अपने म्यूजिक एलबम भी रिलीज किए हैं। उनके फैंस के बीच ये एलबम काफी लोकप्रिय हैं। दक्षिण अफ्रीका के जूनियर एथलेटिक्स में उनके नाम सबसे कम समय में 100 मीटर की दौड़ पूरा करने का रिकॉर्ड दर्ज है। डिविलियर्स ने क्रिकेट के अलावा गोल्फ, रग्बी, हॉकी, फुटबॉल, टेनिस, तैराकी और बैडमिंटन में भी सफलता हासिल की। डिविलियर्स को उनके साइंस प्रोजेक्ट के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति नेलसन मंडेला से मेडल भी मिला था।

क्रिकेट में एबीडी का रिकॉर्डएबी डिविलियर्स ने अपने करियर में 114 टेस्ट मैच खेले हैं और 50.66 के औसत से 8765 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 22 शतक और 46 अर्धशतक भी लगाए हैं। पांच पारियों में गेंदबाजी करते हुए डिविलियर्स ने दो विकेट भी अपने नाम किए हैं।

उन्होंने 222 कैच पकड़े हैं और पांच स्टंपिंग भी की है। 228 वनडे मैचों में उन्होंने 53.50 के औसत से 9577 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 25 शतक और 53 अर्धशतक भी निकले हैं। वहीं नौ पारियों में गेंदबाजी करके उन्होंने सात विकेट भी झटके हैं। इसके साथ ही उन्होंने 176 कैच पकड़े हैं और पांच स्टंपिंग भी की हैं।

टी-20 में डिविलियर्स कमाल के बल्लेबाज थे पर उनके कद के अनुरूप उनके आंकड़े कुछ खास नहीं हैं। उन्होंने 78 मैचों में 26.12 के औसत से 1672 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से कोई शतक नहीं निकला। हालांकि 10 अर्धशतक जरूर उनके नाम रहे। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में उन्होंने कभी गेंदबाजी नहीं की। इस फॉर्मेट में उन्होंने 65 कैच पकड़े हैं और सात स्टंपिंग की हैं।

184 आईपीएल मैच में उन्होंने 39.71 के औसत से 5162 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और 40 अर्धशतक भी निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 133 का रहा है।

# IND vs NZ: इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ने टीम इंडिया को लेकर दिया बयान, कहा- यह गेंदबाज है भारत की कमजोर कड़ी

भारतीय क्रिकेट टीम विराट कोहली, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की स्टार तिकड़ी की अनुपस्थिति के बावजूद बुधवार को जयपुर में खेले गए पहले टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को हराने में सफल रही। यह टीम इंडिया की उस मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का संकेत जो भारत के पास है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने कीवियों को पांच विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ जब टीम इंडिया की घोषणा हुई तो उस समय टीम संतुलित दिख रही थी। लेकिन इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज ग्रीम स्वान का मानना है कि भारत की की टीम में एक कमजोर कड़ी है। अक्षर पटेल को टारगेट कर सकता है न्यूजीलैंडपूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान का मानना है कि बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल भारत की कमजोर कड़ी हैं जिन्हें न्यूजीलैंड निशाना बना सकता है। अक्षर को कमजोर कड़ी बताते हुए 10 में से 8 रेटिंग देते हुए स्वान ने कहा कि वह आईपीएल खेलकर आ रहे हैं वह सबसे बड़ा खतरा नहीं साबित हो सकते। अक्षर पटेल ने आईपीएल 2021 में 12 मैचों में 15 विकेट लिए थे। वहीं टीम इंडिया में वापसी होने के बाद जयपुर में खेले गए मैच वह 31 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाए थे। अक्षर ने भारत के लिए 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें 9 विकेट लिए। अक्षर पटेल टीम इंडिया की कमजोर कड़ीक्रिकेट डॉट कॉम से बात करते हुए ग्रीम स्वान ने कहा, वह कमजोर कड़ी हो सकते हैं, उन्होंने वास्तव में हाल ही में ऐसा कुछ नहीं किया है, उनकी 10 में से 8 रेटिंग है, उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में ऐसा कुछ नहीं किया है। इस दौरान स्वान ने फरवरी में घरेलू सीरीज के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन को करते हुए कहा, बाए हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने अपनी डेब्यू सीरीज में तीन टेस्ट मैचों में 27 विकेट लिए थे, जिनमें चार बार वह पांच विकेट लेने में सफल रहे जबकि अहमदाबाद में खेले गए टेस्ट में वह 10 विकेट लेने में सफल रहे।

# रांची में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड टी-20 पर संकट के बादल, मैच स्थगित करने के लिए हाईकोर्ट में अर्जी

भारत-न्यूजीलैंड के बीच चल रही टी-20 क्रिकेट श्रृंखला के दूसरे मुकाबले पर संकट मंडरा रहा है। रांची स्टेडियम में 19 नवंबर (शुक्रवार ) को होने वाला मैच स्थगित करने की मांग की जा रही है। मैच को स्थगित करने या स्टेडियम में सिर्फ 50 फीसदी दर्शकों को ही आने की अनुमति देने की मांग को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है।वकील धीरज कुमार ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के जेएससीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड और भारत के बीच शुक्रवार को होने वाले श्रृंखला के दूसरे टी-20 मैच में शत प्रतिशत सीट दर्शकों के लिए खोले जाने के खिलाफ झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। वकील ने सौ फीसदी क्षमता के साथ क्रिकेट मैच के आयोजन की छूट दिए जाने का विरोध किया है।याचिकाकर्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण को लेकर जब राज्य के मंदिर, अदालतों सहित अन्य कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम कर रहे हैं तो किस नियम के तहत राज्य सरकार ने क्रिकेट स्टेडियम को 100 प्रतिशत क्षमता के साथ इस्तेमाल करने की छूट दी है? वकील ने याचिका में शुक्रवार के मैच को स्थगित करने अथवा शत प्रतिशत क्षमता से स्टेडियम के उपयोग पर रोक लगाने की मांग की गई है।100 प्रतिशत क्षमता के साथ मैच कराने का विरोधवकील ने याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए अदालत में विशेष आग्रह भी किया है जिससे जल्द से जल्द सुनवाई हो और इस मामले में राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगाई जा सके। महत्वपूर्ण यह है कि दो दिन पूर्व राज्य सरकार ने न्यूजीलैंड और भारत के बीच होने वाले क्रिकेट मैच के लिए स्टेडियम की 50 प्रतिशत सीट ही बुक करने की अनुमति दी थी लेकिन फिर इस निर्णय को वापस ले लिया और आयोजकों को मैच के लिए स्टेडियम की सभी सीटें बुक करने की छूट दे दी।

भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट श्रृंखला के टी-20 मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच शुक्रवार को यहां होना है जिसकी बड़े पैमाने पर यहां तैयारी की जा रही है।

# सीमा विवाद-चीन के पास समझौतों का उल्लंघन करने के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया बयान

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत और चीन अपने संबंधों को लेकर ''विशेषतौर पर खराब दौर'' से गुजर रहे हैं, क्योंकि बीजिंग ने समझौतों का उल्लंघन करते हुए कुछ ऐसी गतिविधियां कीं जिनके पीछे उसके पास अब तक ''विश्वसनीय स्पष्टीकरण'' नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के नेतृत्व को इस बात का जवाब देना चाहिए कि द्विपक्षीय संबंधों को वे किस ओर ले जाना चाहते हैं।सिंगापुर में एक कार्यक्रम में ''वृहद सत्ता प्रतिस्पर्धा: उभरती हुई विश्व व्यवस्था'' विषय पर आयोजित गोष्ठी में एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि चीन को इस बारे में कोई संदेह है कि हमारे संबंधों में हम किस मुकाम पर खड़े हैं और क्या गड़बड़ है। मेरे समकक्ष वांग यी के साथ मेरी कई बार मुलाकात हुई हैं। जैसा कि आपने भी यह महसूस किया होगा कि मैं बिलकुल स्पष्ट बात करता हूं, अत: समझा जा सकता है कि स्पष्टवादिता की कोई कमी नहीं है। यदि वे इसे सुनना चाहते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि उन्होंने सुना होगा।''चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध के संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा, ''हम, हमारे संबंधों में विशेषतौर पर खराब दौर से गुजर रहे हैं क्योंकि उन्होंने समझौतों का उल्लंघन करते हुए कुछ ऐसे कदम उठाए हैं जिनके बारे में उनके पास अब तक ऐसा स्पष्टीकरण नहीं है जिस पर भरोसा किया जा सके। यह इस बारे में संकेत देता है कि यह सोचा जाना चाहिए कि वे हमारे संबंधों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, लेकिन इसका जवाब उन्हें देना है।''एलएसी पर दोनों देशों की सेनाओं में भिड़ंतभारत और चीन की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध के हालात बीते वर्ष पांच मई को बने थे। पैंगांग झील से लगते इलाकों में दोनों के बीच हिंसक संघर्ष भी हुआ था और दोनों देशों ने अपने हजारों सैनिक और हथियार वहां तैनात किए थे। पिछले वर्ष 15 जून को गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद तनाव और भी बढ़ गया था।हालांकि कई दौर की सैन्य और राजनयिक वार्ता के बाद दोनों पक्ष फरवरी में पैंगांग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से तथा अगस्त में गोगरा इलाके से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के लिए राजी हो गए। सैन्य वार्ता पिछली बार 10 अक्टूबर को हुई थी जो बेनतीजा रही।इसी बीच, भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में संघर्ष के अन्य क्षेत्रों से सैनिकों को पूरी तरह से पीछे हटाने के उद्देश्य को हासिल करने के लिए जल्द ही किसी तारीख पर 14वें दौर की सैन्य वार्ता कराने पर बृहस्पतिवार को सहमति व्यक्त की ।कार्यक्रम में हेलेरी क्लिंटन और टोनी ब्लेयर भी हुए शामिलजयशंकर ने इस धारणा को ''हास्यास्पद'' करार देते हुए खारिज कर दिया कि अमेरिका रणनीतिक रूप से सिकुड़ रहा है और शक्ति के वैश्विक पुनर्संतुलन के बीच अन्य के लिए स्थान बना रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आज एक कहीं अधिक लचीला साझेदार है, वह अतीत की तुलना में विचारों, सुझावों और कार्य व्यवस्थाओं का अधिक स्वागत करता है। उन्होंने सत्र के मध्यस्थ के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''इसे अमेरिका का कमजोर होना नहीं समझें। मुझे लगता है कि ऐसा सोचना हास्यास्पद है।''

# पाकिस्तान-महिला विधायक का अश्लील वीडियो वायरल, शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

पाकिस्तान की एक विधायक का कथित अश्लील वीडियो वायरल करने और धमकी देने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है।

महिला विधायक का नाम सानिया आशिक है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल के मुताबिक, सानिया आशिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की सदस्य हैं और पंजाब प्रांत के तक्षशिला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।हाल ही में एक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। दावा किया गया कि ये वीडियो सानिया का ही है, जिसके बाद खुद सानिया ने इसकी पुलिस से शिकायत की थी। सानिया ने 26 अक्तूबर को संघीय जांच एजेंसी के पास टिकटॉक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल किए गए वीडियो को लेकर अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

सानिया का आरोप है कि सोशल मीडिया पर कई दिनों से एक अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें नजर आने वाली महिला उनकी तरह दिख रही है।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि वीडियो में नजर आने वाली महिला सानिया आशिक ही हैं। विधायक ने इसकी शिकायत इमरान खान की सरकार से भी की।आरोपी की पहचान उजागर नहींविधायक की शिकायत के बाद पंजाब प्रांत की पुलिस और एफआईए ने इसकी जांच शुरू की। करीब तीन हफ्ते चली जांच के बाद एफआईए ने लाहौर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान अभी तक उजागर नहीं की।

# बीजिंग ओलंपिक-राजनयिक बहिष्कार पर विचार कर रहा अमेरिका, राष्ट्रपति बाइडन ने की पुष्टि

अगले साल यानी 2022 में चीन के बीजिंग नें शीतकालीन ओलंपिक खेल होने हैं। ओलंपिक खेलों की शुरूआत में 100 दिन से भी कम समय बचा है। वहीं दूसरी ओर बीजिंग ओलंपिक के बहिष्कार को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। अब अमेरिका भी चीन के बीजिंग शहर में होने वाले ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार पर विचार कर रहा है।अमेरिका करेगा राजनयिक बहिष्कार एएफपी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वे बीजिंग ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले यूरोपियन संसद में बीजिंग ओलंपिक के बहिष्कार का एलान किया जा चुका है। कई खिलाड़ी भी मुखर होकर इसके बहिष्कार को लेकर आवाज उठा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जल्द ही अपने देश के अधिकारियों को खेलों में नहीं भेजने की सिफारिश को मंजूरी देनी की उम्मीद है। व्हाइट हाउस की तरफ से आमतौर पर ओलंपिक के उद्घाटन और समापन समारोह में एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जाता है। अमेरिका में शीर्ष सांसदों द्वारा भी राजनयिक बहिष्कार का आह्वान किया गया है।एनबीए बास्केटबॉल खिलाड़ी और मुखर मानवाधिकार अधिवक्ता एनेस कनेटर बहिष्कार का आह्वान करने वाली नवीनतम हाई-प्रोफाइल लोगोंमें से एक हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि आज इसे देखने वाले सभी स्वतंत्रता समर्थकों को मेरा संदेश है। हम एक साथ मजबूत हैं। हम सभी को #StandWithTaiwan करना चाहिए, इवान का समर्थन करें, और लोकतंत्र की रक्षा करें। हमें ताइवान को स्वतंत्र और सुरक्षित रखना चाहिए। ताइवान, ताइवान के लोगों का है!यूरोपियन संसद ने किया बहिष्कार का एलानमामले पर यूरोपीय संसद के सांसदों ने सहमति जताते हुए कहा कि हमें चीन के मानवाधिकारों के हनन के कारण बीजिंग 2022 शीतकालीन ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले निमंत्रण को अस्वीकार करना चाहिए। इसके साथ ही ईयू सांसदों ने अपनी सरकारों से मांग करते हुए उइगर मुसलमानों को लेकर चीन के व्यवहार पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की बात भी कही। इससे पहले कब हुआ ओलंपिक खेलों का बहिष्कारइससे पहले छह ओलंपिक खेलों ने बहिष्कार और कम देशों की भागीदारी झेली है। 1956 (मेलबर्न), 1964

(टोक्यो), 1976 (मॉन्ट्रियल), 1980 (मॉस्को), 1984 (लॉस एंजिल्स) और 1988 (सियोल) में युद्ध, आक्रमण और रंगभेद जैसे कारणों से विभिन्न देशों ने ओलंपिक खेलों का बहिष्कार किया था।

# चीता यज्ञेश 'ओ 2 राइज एक़्वा प्राइवेट लिमिटेड' के डायरेक्टर बने

'ओ 2 राइज एक़्वा' के चेयरमैन राजकुमार बिदावतका ने चीता यज्ञेश शेट्टी को 'ओ 2 राइज एक़्वा' कंपनी का डायरेक्टर नियुक्त किया।चीता यज्ञेश पिछले 25 वर्षों से कई पहलुओं के लिए समाज की सेवा कर रहे हैं, उन्हें बच्चों और महिलाओं को आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करने और वंचित बच्चों को शिक्षित करने के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। उनकी कड़ी मेहनत और प्रयास की सराहना करते हुए, ओ 2 राइज एक़्वा ने चीता यज्ञेश को उनके सामाजिक प्रयास में समर्थन देने का फैसला किया है। 'ओ 2 राइज एक़्वा' की आगामी लोनीज़ेड वाटर रेंज, 2 राइज बैलेंस के बारे में बात करते हुए, निदेशक चीता यज्ञेश कहते हैं, " ओ 2 राइज एक़्वा- एक पैकेज्ड ड्रिंकिंग मिनरल वाटर कंपनी है। कच्चे पानी का हमारा स्रोत प्राकृतिक रूप से क्षारीय है, जिसका पीएच स्तर 8.9 है, जो इसे उपभोग के लिए अधिक पौष्टिक रूप से संतुलित बनाता है। एंटी- इंफ्लेमेटरी गुण जो पाचन स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं और एंटी-ऑक्सीडेंट के उच्च स्तर के लिए प्रतिरक्षा का निर्माण करते हैं, जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने के लिए जानते हैं, 2 राइज बैलेंस पीने के कई गुना लाभ हैं। नए साल में कंपनी के पास उपभोक्ताओं के लिए पाइपलाइन में काफी नए प्रोडक्ट हैं। मैं इसकी सबसे अधिक सराहना करता हूं। इसकी ओ 2 राइज की मिनरल वाटर की रेंज के साथ, यह पूरी तरह से किसी भी एडिटिव्स से मुक्त है। 2 राइज से आप जो भी घूंट लेते हैं, वह आपको बेहतर भलाई की स्थिति की ओर ले जाता है। मैं इसमें काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सचेत जलयोजन को प्रोत्साहित करने के लिए 2 राइज के साथ हाथ मिलाया है और इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ मुझ पर भरोसा करने के लिए कंपनी को धन्यवाद देता हूँ।"

# दंगल टीवी के तेजी से लोकप्रिय हो रहे शो "सिंदूर की कीमत" में आने वाला है इंटरेस्टिंग ड्रामा

## शादी की वजह से घर में आया तूफान, अब क्या होगा मिश्री के साथ?

दंगल टीवी के तेजी से लोकप्रिय हो रहे धारावाहिक "सिंदूर की कीमत" में अब बड़ा ड्रामा होने वाला है। शादी का एक ऐसा सीक्वेंस आने वाला है जो शो में ट्विस्ट लाएगा। मुम्बई में इस अहम शादी सीक्वेंस के प्रोमो की शूटिंग के दौरान अर्जुन (शहजाद शेख) और मिश्री का रोल कर रही वैभवी हैंकरे सहित पूरी कास्ट मौजूद रही। मिश्री दुल्हन के ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अर्जुन का रोल कर रहे शहजाद शेख ने बताया कि हमने दंगल टीवी के सीरियल सिंदूर की कीमत का एक प्रोमो शूट किया है जिसमे यह दिखाया गया है कि अर्जुन किसी और के साथ शादी करके घर आया है। और उसका नाम है मिश्री, जो शो की हिरोइन है। इस शादी के खिलाफ पूरा घर है। घर मे तूफान आ जाता है, खूब ड्रामा, टर्न ट्विस्ट आने वाला है हमारे शो में, जो दर्शकों के लिए सरप्राइज पैकेज होगा। मिश्री के साथ वर्किंग एक्सपीरियंस कमाल का है हालांकि वह फ्रेशर हैं मगर अपने किरदार और अपनी परफॉर्मेंस के लिए दिल व जान लगा देती हैं। शहजाद शेख ने आगे बताया कि मुझे लगता है कि अर्जुन का किरदार मेरे लिए ही लिखा गया है। मुझे इसमे वकील की भूमिका निभाने में इसलिए आसानी हो रही है क्योंकि मेरी फॅमिली में कई वकील हैं, मेरे दोस्त, कलीग्स एडवोकेट हैं इसलिए वकीलों की बॉडी लैंग्वेज, उनके जैसा हावभाव अपनाना मेरे लिए काफी ईजी रहा। यही वजह है कि शो को और मेरे किरदार को लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

मैं अर्जुन का रोल करके काफी एन्जॉय कर रहा हूँ। मिश्री का रोल कर रही वैभवी ने बताया कि शादी का यह कॉस्ट्यूम पहन कर और यह काफी इंटरेस्टिंग सीन शूट करके मैं बेहद उयसहित हूँ। दर्शकों का इतना सारा प्यार पा कर मैं बेहद खुश हूं। और बेहतर काम करने का दिल चाहता है। मैं दंगल टीवी, तमाम ऑडिएंस की शुक्रगुजार हूं। मैं सभी से यही कहूँगी कि हमारा शो सिंदूर की कीमत देखते रहे, नए नए मोड़ आपको इंगेज कर के रखेगा। शो में अर्जुन के भाई अश्विन अवस्थी का किरदार प्ले कर रहे प्रतीक चौधरी ने बताया कि सिंदूर की कीमत में बहुत जल्द एक बड़ा ड्रामा दर्शक देख पाएंगे। अर्जुन और मिश्री के बीच एक नई कहानी क्रिएट होने वाली है। यह बहुत ही इंट्रेस्टिंग मोड़ आने वाला है। ऑडियंस ने ऐसा सोचा भी नहीं होगा जैसा सीक्वेंस आने वाला है तो यह दर्शकों के लिए एकदम नया होगा। हम सब को यह सीक्वेंस शूट करके मजा आ रहा है तो मुझे उम्मीद है कि ऑडियंस भी इस सीक्वेंस को पसन्द करेगी। मैंने सोचा नही था कि इतनी जल्द मेरे किरदार, मेरी परफॉर्मेंस को इतना सारा प्यार मिलेगा। इंस्टाग्राम पर मुझे रोज़ डीएम आते हैं कि आपका शो और आपका किरदार बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे बहुत से फ़ैन पेज बन गए हैं। मैं दंगल टीवी को धन्यवाद कहना चाहूंगा कि इस शो की वजह से मुझे इतना प्यार मिल रहा है। शहजाद बहुत अच्छे को एक्टर हैं। रियल लाइफ में भी हमारी भाइयों वाली यारी हो गई है। हमने साथ में जिम जाने का भी सोचा है। सिंदूर की कीमत शो में शहजाद शेख, वैभवी हैंकरे और प्रतीक चौधरी के अलावा दादी का रोल माधवी गोगाटे, अर्जुन की बुआ का रोल अशिता धवन कर रही हैं। अर्जुन के पिता की भूमिका में अमित कौशिक हैं तो अर्जुन की मां बनी हैं जसविंदर गार्डनर। अर्जुन के चाचा विजय सिंह प्ले कर रहे हैं वहीं मिश्री की मम्मी राजश्री रानी बनी हैं। सीरियल सिंदूर की कीमत दंगल टीवी पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित किया जाता है।

# अविका का लांग लव

मुंबई, अब अगर अफेयर न हुआ तो भला वह एक्टर कैसा? बालिका वधू बालिका नहीं रही। जी हां, हम बात अविका गौर की कर रहे हैं। खबर मिली है कि अविका इन दिनों डेट कर रही हैं पर यह कोई मामूली और आसान डेटिंग नहीं है। बल्कि मामला लांग लव का है। लांग लव बोले तो लांग डिस्टेंस का लव। अविका के बॉयफ्रेंड रोडीज रियल हीरो के प्रतियोगी रहे मिलिंद चंदवानी हैं। मिलिंद अमदाबाद में आईआईएम की पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में रोज-रोज मिलना तो संभव नहीं है पर वर्चुअल वर्ल्ड में तो आप मिल ही सकते हैं। शादी के सवाल पर अविका का कहना है, अभी बहुत ज्यादा टाइम है शादी के लिए। अभी बहुत काम करने हैं और फिर मेरी जिंदगी तो खुली किताब है। दुनिया को हर बात पता है। जवाब भले ही गोलमोल हो पर सच भी है इसलिए फिलहाल तो इस लांग डिस्टेंस लव के सहारे ही पल गुजारने हैं...

# नुसरत की सांसें लौटी

मुंबई, कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन ने वाकई बहुत सारे लोगों की सांसें बंद कर दी थीं। घर में बैठे-बैठे घुटन होती थी। मगर जाएं तो जाएं कहां? और इस मामले में सबसे ज्यादा परेशान तो कलाकार थे। क्योंकि बाहर निकलना, शूटिंग करना, लोगों से मिलना आदि उनकी जिंदगी होती है। अभिनेत्री नुसरत भरुचा भी घर में बैठे-बैठे काफी ज्यादा परेशान हो गई थीं। वे कहती हैं, जब पेनडेमिक में घर में बंद थीं तो लगता था कि पता नहीं कब यह बुरा वक्त खत्म होगा। फिर वह सोचतीं, 'क्या करूं मैं? मैं कोई काम क्यों नहीं कर पा रही हूं?' कभी-कभी तो लगता था कि अब शायद कभी इससे बाहर ही न निकलेंगे।' बहरहाल, नुसरत को इस बात की खुशी है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कलाकारों को एक बेहतर ऑप्शन मुहैया करा दिया है। आज हर कोई बिजी है। राइटर फिल्में लिख रहे हैं। एक्टर काम कर रहे हैं। नुसरत कहती हैं कि अगर ओटीटी प्लेटफार्म नहीं होते तो आज काफी लोग बेरोजगार हो गए होते। काम नहीं होता। उनके पास पैसे नहीं होते। आज नुसरत भी बिजी हो गई हैं। वाकई इस ओटीटी ने बॉलीवुड की सांसें लौटा दी हैं...

# KBC 13-बच्चे ने अमिताभ से पूछा जया बच्चन पर सवाल, एक्टर ने कंटेस्टेंट से शो से बाहर जाने की अपील की

'कौन बनेगा करोड़पति 13' में इन दिनों बच्चों को शामिल किया जा रहा है।

शो के एक एपिसोड में अराधी गुप्ता नामक एक कंटेस्टेंट ने बिग बी को बताया कि वो बड़ी होकर एक पत्रकार बनना चाहती हैं। साथ ही उन्होंने अमिताभ बच्चन से उनका इंटरव्यू लेने की परमिशन भी मांगी और बिग बी ने उन्हें हां कह दिया। इस दौरान अधारी ने बिग बी से एक मजेदार सवाल पूछे जिससे वो निशब्द हो गए।

### शो में कंटेस्टेंट ने पूछे बिग बी से मजेदार सवाल

अधारी ने बिग बी से उनके बड़े होने के वर्षों, काम और यहां तक कि उनकी पोती आराध्या बच्चन के बारे में कई सवाल पूछे। फिर अधारी ने कहा "आपकी आवाज एलेक्सा के लिए रिकॉर्ड की गई है, इसलिए, आपके घर पर, जब जया आंटी कहती हैं 'एलेक्सा स्विच ऑन द एसी', क्या एलेक्सा जवाब देती है या आप 'हां, मैम' कहते हैं?" अराधी का यह सवाल सुनकर बिग बी कुछ नहीं बोल पाए।

### बिग बी ने कंटेस्टेंट को कहा शो छोड़ने के लिए

अमिताभ बच्चन कुछ देर बाद कहते हैं, "टीवी जर्नलिस्ट, मैं और इंटरव्यू नहीं करना चाह रहा हूं। आप कृप्या मेरा घर छोड़ के इसी वक्त वापस चली जाएं। यार तुम कमाल के सवाल पूछ रही हो।" फिर उन्होंने समझाते हुए कहा, "सबसे पहले, एलेक्सा घर पर एसी से जुड़ा नहीं है। हम इसे मैन्युअल रूप से इस्तेमाल करते हैं इसलिए घर पर ऐसा कुछ होने की संभावना असंभव है।"

### शानदार शुक्रवार एपिसोड में 'बंटी और बबली 2' के एक्टर्स होंगे शामिल

शो में कुछ दिन पहले आराध्या नाम के एक बच्चे ने अमिताभ से कई सवाल पूछे थे, जैसे, "सर, आपकी हाइट इतनी लंबी है, तो क्या आप खुद ही अपने घर के पंखे साफ कर लेते हैं?"। इसके बाद वो बिग बी से पूछते हैं, "जब आप आराध्या के स्कूल फंक्शन में जाते हैं, तब लोग प्रोग्राम देखते हैं या आपको?"

शो में इस हफ्ते 'स्टूडेंट्स वीक स्पेशल' मनाया जा रहा है। वहीं, इस हफ्ते शानदार शुक्रवार एपिसोड में फिल्म 'बंटी और बबली 2' के एक्टर्स शामिल होंगे। शो में सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी वाघ फिल्म का प्रमोशन करते नजर आएंगे।

# जावेद अख्तर का तंज-कंगना के सपोर्टर्स के लिए बोले-उन्हें बुरा क्यों लगेगा जिनका आजादी की लड़ाई से कोई लेना-देना नहीं था

जावेद अख्तर ने कंगना रनोट के 'भीख में आजादी' वाले कमेंट पर ट्वीट किया है। गीतकार जावेद ने गुरुवार को लिखा- "यह पूरी तरह से समझा जा सकता है, अगर कोई हमारी आजादी को सिर्फ 'भीख' कहे, तो उन्हें बुरा क्यों लगेगा जिन लोगों का स्वतंत्रता आंदोलन से कोई लेना-देना ही नहीं था।"

### कंगना हुई कई FIR, पद्मश्री वापस लेने की मांग

कंगना के खिलाफ पूरे देश में शिकायत दर्ज हुई हैं। ये शिकायतें कंगना के उस विवादित बयान पर हुई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को आजादी भीख में मिली है और असल आजादी 2014 में मिली है। एक्ट्रेस का बयान सामने आते ही लोगों ने उनसे पद्मश्री वापस लेने की डिमांड की है।

### पहले से चल रहा है जावेद कंगना का पंगा

जावेद अख्तर ने पिछले साल 2 नवंबर 2020 को जावेद अख्तर ने मुंबई की अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। कंगना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जावेद बॉलीवुड में गुटबाजी करते हैं और ऋतिक रोशन के मामले में उन्हें धमकी भी दी थी। इसके बाद जावेद अख्तर ने अपनी वकील निरंजन मुंदरगी के जरिए कंगना के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

### लगातार अपने बयान को डिफेंड कर रहीं

कंगना लगातार अपने भीख में आजादी वाले बयाने को डिफेंड कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने कहा है कि यदि कोई उन्हें गलत साबित कर दे तो वे अपना पद्मश्री अवॉर्ड लौटा देंगी। इतना ही नहीं उन्होंने महात्मा गांधी पर नेताजी और भगत सिंह का सपोर्ट न करने की बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बात के सुबूत भी हैं कि गांधी चाहते थे भगत सिंह को फांसी हो।

# छिल्लर का गदर

मुंबई, बॉलीवुड की निगाहें 'पृथ्वीराज' पर लगी हुई हैं। यह फिल्म अगले जनवरी में रिलीज होनेवाली है। अब जनवरी को बचे ही कितने दिन? डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की जोड़ी है। भारत सुंदरी रह चुकी मानुषी की यह पहली फिल्म है और अक्षय कुमार ने मानुषी के बारे में घोषणा भी कर दी है कि लड़की में दम है। बॉलीवुड को एक नया टैलेंट मिल गया है। (हालांकि मानुषी उम्र में अक्षय से ३० साल छोटी हैं पर कोई बात नहीं) अब जहां तक पृथ्वीराज का सवाल है तो निश्चित ही पर्दे पर घोड़ों की टाप और तलवारों की झंकार गूंजेगी। यानी मानुषी छिल्लर अपनी पहली ही फिल्म में पर्दे पर गदर के बीच इश्क और रोमांस के जलवे बिखेरते नजर आएंगी। आखिर सौंदर्य प्रतियोगिता में जलवे बिखेरकर आने का इतना फायदा तो मिलता ही है...

# सिलसिला चलता रहेगा

मुंबई, दत्त परिवार का बॉलीवुड में एक अपना दबदबा रहा है। सुनील दत्त-नरगिस ने एक्टिंग को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया था और उसके बाद संजू ने मुन्ना भाई का रोल करके उस लीगेसी को आगे बढ़ाया। हालांकि सुनील दत्त की दोनों बेटियां पर्दे से दूर रहीं। प्रिया को पॉलिटिक्स पसंद आई और दूसरी नम्रता भी फिल्मों के ग्लैमर से दूर रहीं। लेकिन अब खबर है कि दत्त परिवार की एक्टिंग लिगेसी जारी रहेगी। सुनने में आ रहा है कि संजय दत्त की बड़ी बिटिया त्रिशला बॉलीवुड ज्वाइन कर सकती है। त्रिशला न्यूयॉर्क में रहती हैं और एक फिजियोथैरेपिस्ट होने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। कुछ साल पहले त्रिशला के बॉलीवुड में उतरने की खबर आई थी मगर पापा को यह पसंद नहीं था तो बात वहीं खत्म हो गई। लेकिन अब एक बार फिर मामला जोर पकड़ रहा है। अब यह अफवाह है या बात में कोई दम है या तो आनेवाले दिनों में ही पता चलेगा...

# अक्षय के प्रेरणा स्रोत

मुंबई, एक समय था कि सुपर कॉप पर आधारित फिल्में 'कगार' और 'अब तक छप्पन' ने दर्शकों के दरबार में वाहवाही बटोरी थी, पर अब वक्त दूसरा है। अब तो प्रेरणा लेकर पर्दे पर अपराधियों को धूल चटाने की बारी है। हाल ही में आई फिल्म 'सूर्यवंशी' में अक्षय कुमार ने एक ऐसे ही सुपर कॉप की भूमिका निभाई है। डीसीपी वीर सूर्या के सामने अपराधी थरथर कांपते हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा कभी का पार कर लिया और अब धीरे-धीरे २०० की ओर बढ़ रही है। अपने रोल के बारे में अक्षय का कहना है कि इस रोल की प्रेरणा उन्हें मुंबई के ज्वाइंट सीपी लॉ एन ऑर्डर विश्वास नागरे पाटील से मिली है। अक्षय उन्हें काफी समय से जानते हैं। नागरे पाटील कड़क पुलिसवाले माने जाते हैं। कई मामलों में उनका इन्वेस्टिगेशन कमाल का रहा है। सो जब अक्षय को पुलिसवाले की भूमिका निभाने का मौका मिला तो उन्होंने नागरे पाटील की स्टाइल और सूझबूझ को बड़ी कुशलता से अपना लिया। वैसे ध्यान देने की बात है कि यह बात हमें अब पता चली वरना फिल्म रिलीज होने के पहले से ही चर्चा शुरू हो जाती कि लो विश्वास नागरे पाटील की बायोपिक आ गई...

# टकराव टला

मुंबई, 'सूर्यवंशी' के सुपर डुपर हिट होने से बॉलीवुड जोश में है। इंडस्ट्री की नजर बड़ी फिल्मों की ओर लगी हुई हैं। राजामौली की 'आरआरआर' और संजय लीला भंसाली की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ऐसी ही फिल्में हैं। दोनों फिल्मों की ही रिलीज डेट जनवरी में तय हो गई थी। बॉक्स ऑफिस पर एक ही दिन दो बड़ी फिल्मों के रिलीज होने का नुकसान भी रहता है, ऐसे में संजय लीला भंसाली ने बुद्धिमानी दिखाई और फिल्म की रिलीज ७ जनवरी से खिसका कर १८ फरवरी कर दी। इस पर राजामौली ने भंसाली का शुक्रिया भी अदा किया है। मगर सबसे चैन की सांस तो आलिया भट्ट ने ली है। आलिया गंगूबाई में हैं तो वहीं 'आरआरआर' में भी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में आलिया की बॉक्स ऑफिस पर आलिया से ही टक्कर होनेवाली थी। अब दूसरों से भिड़ना तो एक बार ठीक भी है पर बॉक्स ऑफिस पर खुद से ही टकराना यह तो कोई बात नहीं हुई। आलिया की धड़कनें बढ़ी हुई थीं मगर अब जब फिल्म की डेट आगे खिसक गई है तो इस टकराव के टलने पर सबसे ज्यादा खुश अगर कोई है तो वह आलिया ही हैं...

# मेकअप-फ्री अनुष्का

मुंबई, पुराने दिनों की बात है जब कभी-कभार किसी अभिनेत्री की मेकअप-प्रâ्ी फोटो छप जाती थी तो वह चर्चा का विषय होती थी। बिना मेकअप के किसी रूपवती को पहचानना बड़ा मुश्किल होता है। उन दिनों भले ही चोरी-छिपे फोटो निकाली जाती रही हो पर अब तो अभिनेत्रियां खुद ही ऐसे फोटो सोशल मीडिया पर डाल देती हैं। मेरी बला से जो होना है होता रहे। अनुष्का शर्मा ने भी अपनी एक मेकअप-प्रâ्ी फोटो शेयर की है। इस फोटो में वे एक स्वीमिंग पुल के बगल में नजर आ रही हैं। इसमें उनके बाल खुले हैं और वे मुस्कुरा रही हैं। आनंद का यह पल किसने वैâद किया, यह सोचना ज्यादा मुश्किल नहीं। टी-२० वर्ल्ड कप खत्म हो चुका है और पति विराट भी एक लंबे टूर की थकान घर पर ही उतार रहे हैं सो अंदाज लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है कि फोटो किसने खींची है...

# शैक्षिक संगठन के लिए ISO 21001 प्रबंधन प्रणाली मानक

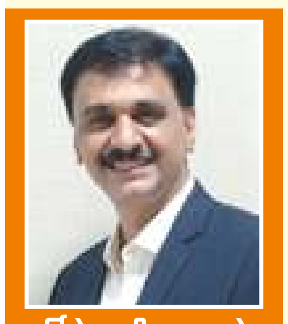

**आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा**
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

ISO 21001 एक प्रबंधन प्रणाली मानक है जिसे मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा विकसित किया गया है और विशेष रूप से एक शैक्षिक संगठन, शिक्षार्थी और अन्य प्रासंगिक इच्छुक पार्टियों के बीच एक सफल बातचीत को ऊपर उठाने पर केंद्रित है। यह शिक्षार्थियों और अन्य लाभार्थियों और कर्मचारियों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाने के इरादे से एक सटीक रूपरेखा तैयार करता है। यह मानक उन सभी शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है जो उस पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं जो शिक्षण, प्रशिक्षण या शोध की प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षार्थियों को ज्ञान के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है, साझा करता है और सुविधा प्रदान करता है।

IS0 21001 शैक्षिक उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के लिए एक सामान्य प्रबंधन उपकरण प्रदान करता है जो

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वितरण के मानकीकरण पर मार्गदर्शन देता है।
- नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- आईएसओ 21001 के सिद्धांत?
- इस मानक का प्राथमिक फोकस शिक्षार्थियों और अन्य लाभार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करना और उनकी अपेक्षाओं को पार करना है।
- एक दूरदर्शी नेतृत्व सभी शिक्षार्थियों और अन्य लाभार्थियों को संगठन के मिशन, दृष्टि और उद्देश्यों को बनाने, लिखने और लागू करने में संलग्न करने की अनुमति देता है।
- संगठन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह सक्षम, सशक्त और लगे हुए व्यक्तियों को मूल्य प्रदान करने में संबद्ध करे।
- प्रक्रिया दृष्टिकोण से गतिविधियों को समझा जाता है और अंतःसंबंधित प्रक्रियाओं के रूप में प्रबंधित किया जाता है।
- सुधार
- डेटा और सूचना के विश्लेषण और मूल्यांकन।
- संबंध प्रबंधन
- सामाजिक जिम्मेदारी

- पहुंच और इक्विटी
- शिक्षा में नैतिक आचरण
- डेटा सुरक्षा और सुरक्षा

उत्कृष्टता केंद्र बनने की इच्छा रखने वाले संस्थानों को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रमाणन के उभरते डोमेन में भाग लेना चाहिए जो मूल्यों, मिशन, विजन और उद्देश्यों को वितरित करने के लिए एक उपकरण के रूप में जवाबदेही रखते हुए वैज्ञानिक और परिणाम उन्मुख है।

# डॉक्टर कृष्णा चौहान करवा रहे हैं इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021

## *12 दिसंबर को होने जा रहे अवार्ड समारोह की ट्रॉफी है बेहद आकर्षक, सोशल मीडिया में पोस्टर हुआ वायरल*

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का आयोजन 12 दिसंबर २०२१ को मुम्बई अंधेरी के मेयर हॉल में करने जा रहे हैं, जसकी चर्चा अभी से शुरू हो गई है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान यह अवार्ड तीसरी बार कराने जा रहे हैं, पिछले दो साल में यह अवार्ड काफी कामयाब रहा है और अब जब से सोशल मीडिया में तीसरे वर्ष के अवार्ड फंक्शन का पोस्टर वायरल हुआ है लोग 12 दिसम्बर का इन्तजार कर रहे हैं जब इसका आयोजन होना है।डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि पोस्टर को सोशल मीडिया पर काफी लाइक शेयर किया जा रहा है और काफी लोगों के फोन भी आ रहे हैं। सिद्धि विनायक ट्रॉफीज और गिफ्ट्स द्वारा बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 की शानदार ट्रॉफी डिज़ाइन की गई है। उन्होंने आगे बताया कि यह एक स्पेशल अवार्ड फंक्शन होगा जिसके विजेताओं को ट्रॉफी के अलावा, बेहतरीन मेडल और सर्टिफिकेट से नवाजा जाएगा। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान फाउंडेशन KCF (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान सोशल वर्कर के रूप में भी मानवता की सेवा में लगातार कार्यरत हैं। गौरतलब है कि मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का शानदार आयोजन किया था। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के साथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी लगातार करते आ रहे हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते आ रहे हैं।

# टीम LOCATER ने सहयोग की पहल के लिए TSAP का दौरा किया

LOCATER को सेलेक्ट डायरेक्ट मार्केटिंग कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड से लाइसेंस के तहत निर्मित किया गया है, इसे 1991 में स्थापित किया गया था और आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनरों के लिए एक तैयार संदर्भ कैटलॉग के रूप में LOCATER को पेश किया गया था। लोकेटर आंतरिक और बाहरी सजावट उत्पादों के निर्माताओं के लिए डिजाइनरों को लागत प्रभावी और सीधी पहुंच प्रदान करता है। एक छात्र संपर्क कार्यक्रम के रूप में How to Festival? की एक श्रृंखला के साथ शुरू करके अब इसने एक कदम आगे बढ़ाया है। LOCATER की टीम ने उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के लिए सांस्कृतिक संवाद विकसित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (TSAP) का दौरा किया। इस ब्रिजिंग के लिए एक फैसिलिटेटर के रूप में कार्य करने के लिए लोकेटर की बड़ी भूमिका होती है। श्रीमती अमीता अयंगर और श्रीमती आशा ने लोकेटर का प्रतिनिधित्व किया, जबकि TSAP के प्रधानाचार्य धीरज साल्होत्रा और वाइस प्रिंसिपल पूर्वी कक्कड़ ने अपनी संकाय की टीम के साथ भविष्य में सह-मेजबानी कार्यक्रमों के लिए एक समझौता ज्ञापन विकसित करने का प्रस्ताव रखा। इस तरह की पहल समय की जरूरत है और उद्योग और छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने के बीच बातचीत को खोल देगी।

# मुंबई में फिर से स्कूल खोलने की मांग-पेरेंट्स ने कहा- जब बच्चे पार्टी में जा सकते हैं, तो फिर स्कूल क्यों नहीं; CM को लिखा ओपन लेटर

## पेरेंट्स ने ओपन लेटर में कहा

कोरोना की विभीषिका झेलने के बाद फिर अपने पैरों पर खड़ी हो रही मुंबई में स्कूलों को पूरी तरह से खोलने की मांग तेज होती जा रही है। फिलहाल महाराष्ट्र के शिक्षा विभाग ने सिर्फ 8वीं से 12वीं तक के स्कूल खोलने का आदेश जारी किया है, लेकिन दिवाली और दशहरे की लंबी छुट्टी के बाद भी स्टूडेंट्स अभी स्कूल नहीं जा रहे हैं। मुंबई में ऐसे कई पेरेंट्स एसोसिएशन हैं, जो 22 नवंबर से पूरी तरह स्कूलों को शुरू करने की मांग पुरजोर तरीके से कर रहे हैं। बच्चों की मेंटल हेल्थ पर पड़ रहा असर यह मांग करने वालों में से एक है #OPENMUMBAISCHOOLSNOW ग्रुप। सोशल मीडिया पर बने इस ग्रुप से अब तक 1200 से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। इन्होंने सोमवार से स्कूलों को फिर शुरू करने की मांग करते हुए CM उद्धव ठाकरे के नाम पर एक ओपन लेटर लिखा है। इस समूह के वॉट्सऐप ग्रुप की एडमिन गायत्री खन्ना ने बताया कि पिछले दो साल से स्कूल लगभग पूरी तरह से बंद हैं। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और उनकी मेंटल हेल्थ पर पड़ रहा है। बच्चों के लिए मौजूदा स्थिति कोविड से ज्यादा गंभीर बनती जा रही है।

**बच्चे पार्टियों में जा रहे, फिर स्कूल क्यों नहीं जा सकते**

गायत्री ने बताया कि पूरी मुंबई फिर से पटरी पर लौट चुकी है। सभी कुछ शुरू हो चुका है, इसके बावजूद स्कूलों को पूरी तरह से नहीं खोला जा रहा। उन्होंने सवाल किया कि बच्चे जब पार्टियों, शादियों या सोशल इवेंट्स में जा सकते हैं तो फिर स्कूल में क्यों नहीं जा सकते? रिपोर्ट्स भी यह कहती हैं कि छोटे बच्चों में कोरोना वायरस से लड़ने की क्षमता ज्यादा है, इसलिए संक्रमित होने के बावजूद वे जल्दी रिकवर हो सकते हैं। इसलिए स्कूलों को फिर से शुरू करना ही चाहिए। गायत्री ने आगे बताया कि हर स्कूल ने कोविड से निपटने के लिए एक SOP (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) बनाई है और उनके यहां एक पेरेंट्स बॉडी है, जो यह तय करती है कि स्कूलों में कोविड नियमों का पालन कैसे करना है। हम सभी तैयार हैं, लेकिन सरकार स्कूल खोलने की मंजूरी नहीं दे रही है।

# लोन देने वाले मोबाइल ऐप्स पर कसेगा शिकंजा, आरबीआई पैनल ने की ये बड़ी सिफारिश

डिजिटल लेंडिंग यानी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या मोबाइल ऐप्स के जरिए लोन देने को अब आरबीआई सख्त हो गया है। अब डिजिटल लोन देने वाले मोबाइल ऐप्स पर शिकंजा कसा जाएगा। इसे लेकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित किए गए वर्किंग ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

**रिपोर्ट में ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर**

आरबीआई की ओर से गठित वर्किंग ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर दिया। पैनल की ओर से कहा गया कि इस रिपोर्ट का मकसद ऐसी कंपनियों को कानूनी शिकंजे में कसकर ग्राहकों की सुरक्षा को बढ़ाना है। मोबाइल ऐप के जरिए गैरकानूनी तरीके से लोन देने वाली कंपनियों के खिलाफ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के वर्किंग ग्रुप ने कड़े नियम बनाने का प्रस्ताव दिया है।

**नोडल एजेंसी बनाने का प्रस्ताव**

वर्किंग ग्रुप ने इन ऐप के लिए एक नोडल एजेंसी बनाने का प्रस्ताव दिया है, जो इनका वेरिफिकेशन करेगी। प्रस्ताव में कहा गया कि इंडस्ट्री के सभी स्टेकहोल्डर्स से मिलकर एक नोडल एजेंसी बनाई जाए। इसके साथ ही एक सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन (एसआरबो) भी बनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें डिजिटल लेडिंग इकोसिस्टम में मौजूद सभी कंपनियां शामिल हो।

**अलग से कानून बनाने का सुझाव**

वर्किंग ग्रुप ने डिजिटल लोन से जुड़ी गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए अलग से एक कानून बनाने का भी सुझाव दिया है। इसके अलावा कमेटी ने कुछ तकनीक से जुड़े मानक और दूसरे नियम भी तय करने का सुझाव दिया है, जिसका पालन डिजिटल लोन सेगमेंट में उतरने वाली हर कंपनी को करना होगा। वर्किंग ग्रुप ने सभी डेटा को भारत में स्थित सर्वर में ही स्टोर करने की सिफारिश की है।

**ग्राहकों को होती है बड़ी परेशानी**

वर्किंग ग्रुप ने कहा कि ग्राहकों के हितों की रक्षा सबसे जरूरी है। कई ऐसे मामले देखने को मिले हैं, जिनमें अवैध तरीके से ऐप के जरिए डिजिटल लोन दिए गए और इसके एवज में ग्राहकों से भारी ब्याज वसूला गया। आरबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रिपोर्ट में ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाने और इनोवेशन को प्रोत्साहन देने के साथ, डिजिटल लोन के पूरे इकोसिस्टम को सुरक्षित और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है।

**31 दिसंबर तक दिए जा सकते हैं सुझाव**

इस रिपोर्ट को आरबीआई की वेबसाइट पर गुरुवार को अपलोड किया गया है। रिपोर्ट पर 31 दिसंबर, 2021 तक ईमेल के माध्यम से सुझाव दिए जा सकते हैं। इन सुझावों को देखने के बाद ही वर्किंग ग्रुप की रिपोर्ट पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। गौरतलब है कि आरबीआई द्वारा इस वर्किंग ग्रुप की स्थापना 13 जनवरी 2021 को की गई थी। इसके चेयरमैन भारतीय रिजर्व बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जयंत कुमार दास हैं।

# विलेपार्ले के प्राइम मॉल में लगी भीषण आग, दमकल की 20 से ज्यादा गाड़ियां पहुंचीं

मुंबई के विलेपार्ले के प्राइम मॉल में भीषण आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंच आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है। मौके पर 16 फायर इंजन, 11 वाटर टैंकर, 3 एम्बुलेंस और 4 अन्य गाड़ियां पहुंची हैं। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट से मिली जानकारी के अनुसार, आग सुबह 11.45 बजे रिपोर्ट हुई है। यह लेवल 4, यानी बहुत भीषण आग है। विलेपार्ले वेस्ट की सोसाइटी रोड पर मौजूद प्राइम मॉल बेहद भीड़ वाले इलाके में मौजूद है, इसलिए आग बुझाने में लगातार दिक्कत आ रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक, आग 4 मंजिला इस मॉल के पहले फ्लोर पर लगी है। यहां कई ब्रांड्स के शोरूम और दुकानें हैं।

पहले भी मुंबई में लगी हैं बड़ी आग इससे पहले गुरुवार सुबह मुंबई के पवई साकी विहार रोड पर स्थित हुंडई कार के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई थी। इस अग्निकांड में पूरा सर्विस सेंटर जलकर खाक हो गया था।

15 नवंबर की रात मुंबई के कांजुरमार्ग इस्ट में स्थित सैमसंग के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई थी। इसे बुझाने के लिए दमकल की 8 गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। इससे पहले मुंबई के मानखुर्द इलाके में शुक्रवार तड़के एक स्क्रैप यार्ड में भीषण आग लग गई थी। मुंबई के कांदिवली इलाके में हंसा हेरिटेज नाम की 15 मंजिली इमारत की 14 वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई थी। इसमें 2 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के पुणे जिले में औद्योगिक क्षेत्र की एक इकाई में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। ठाणे में ही एक आवासीय परिसर के पार्किंग क्षेत्र में आग लगने से आठ वाहन जल कर खाक हो गए थे।

# किसान आंदोलन- गलत साबित हुई 'ढाई प्रदेश' की थ्योरी, भाजपा को कृषि कानूनों पर अड़े रहने की 'राजनीतिक चोट' का अंदाजा था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार सुबह गुरु पर्व के दिन देश के नाम अपने संबोधन में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी। किसानों एवं दूसरे वर्गों के अलावा खुद भाजपा के लोग भी पीएम की इस घोषणा पर हैरानी जता रहे हैं। तीनों कृषि कानूनों को लेकर अभी तक केंद्र एवं भाजपा का जो रवैया देखा गया, उससे किसानों की उम्मीद को झटका अवश्य लगा था। विपक्ष भी तकरीबन यही मानकर चल रहा था कि केंद्र सरकार, कृषि कानूनों पर पीछे नहीं हटेगी। 26 नवंबर को किसान आंदोलन को एक साल पूरा होने जा रहा है। इस मौके पर किसान संगठनों ने कई कार्यक्रमों का एलान किया था।जय किसान आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविक साहा कहते हैं कि किसान आंदोलन के फैलाव को लेकर केंद्र सरकार सदैव दोराहे पर रही है।

केंद्र की यह थ्योरी कि ये तो 'ढाई प्रदेश' के किसानों का आंदोलन है, इस पर ध्यान न दिया जाए। इसके बाद अब भाजपा का ये वहम भी खत्म हो गया है। दरअसल, हम शुरू से ही यह बात कहते आए हैं कि किसान तो हर राज्य में है। किसी के पास छोटी जोत है तो किसी के पास बड़ी। भाजपा को अब कृषि कानूनों पर अड़े रहने की राजनीतिक चोट का अंदाजा हो गया था।किसानों ने सरकार के भ्रम को तोड़ दियाअविक साहा कहते हैं, सरकार ने इस आंदोलन को खत्म कराने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। पीएम की ये बात सही नहीं है कि सरकार ने किसानों को समझाने का प्रयास किया था। सरकार ने कभी तो मन से बात ही नहीं की।

उसका तो केवल एक ही प्रयास रहा है कि किसी भी तरह किसानों का आंदोलन खत्म हो जाए, टूट जाए या बदनाम हो जाए।

आंदोलन स्थल पर कुछ ऐसा हो जाए कि जिसकी आड़ में केंद्र सरकार, किसान आंदोलन को खत्म कर दे। सरकार को किसानों की दिक्कतों से कोई मतलब नहीं था। वह रोजाना केवल इतना देख रही है कि किसान आंदोलन मजबूत हो रहा है या कमजोर पड़ने लगा है। आंदोलन स्थल पर किसानों की संख्या बढ़ी या घटी रही है। किसान आंदोलन अभी तक शांति के साथ चलता आ रहा था।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।